संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-142 ■ रायपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : अष्टमी
नक्षत्र : उत्तराषाढ़ा
प्रथम करण : बावा
द्वितीय करण : बालवा
पक्ष : शुक्ल
वार : सोमवार
योग : धृति
सूर्योदय : 06:28
सूर्यास्त : 17:43
चंद्रमा : मकर राशि में
राहुकाल : 07:52 - 09:17
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:43 - 12:28

कार ने मनरेगा मजदूरों को कुचला; 8 की मौत



संगरूर। पंजाब में संगरूर के लेहरागागा में आज (रविवार को) बड़ा सड़क हादसा हो गया है। संगरूर के SP पलविंदर चीमा ने बयान देते हुए बताया कि हादसे के आरोपी की पहचान कर ली गई है। पुलिस ने आरोपी को ट्रेस कर लिया है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, हादसे के समय करीब 25 मनरेगा मजदूर काम कर रहे थे। हादसे के बाद 5 मृतकों के शव लेहरागागा अस्पताल में रखे होने की जानकारी मिली थी। वहीं, इलाज के दौरान अन्य मजदूरों की भी मौत होने की सूचना सामने आई है। अब तक कुल 8 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। बता दें कि सभी मृतक लेहरागागा के नजदीकी गांव अलीशेर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, कार चलाने वाले का नाम परगट सिंह काला था। वह रैधड़ाना गांव का रहने वाला है। गाड़ी पंजाब के नंबर की ही थी। कार शेवरले मैग्नम थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने जानकारी दी है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब आ रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार वे मानसा और संगरूर जाकर नशे से जुड़े मामलों में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से मिल सकते हैं। 20 दिनों के भीतर शाह का यह राज्य में दूसरा दौरा होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने रविवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब का दौरा करेंगे। वहीं, पार्टी सूत्रों ने कहा कि इस दौरान उनके मानसा और संगरूर जाने की संभावना है, जहां वह राज्य में नशे की समस्या से जुड़ी घटनाओं में जान गंवाने वाले दो लोगों के परिजनों से मुलाकात कर सकते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में शाह के दौरे की घोषणा की, लेकिन उनके कार्यक्रम का विस्तृत ब्योरा साझा नहीं किया। उन्होंने कहा, ''पंजाब 20 अक्टूबर को राज्य के दौरे पर आ रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत करता है।'' बिट्टू ने कहा कि पंजाब नशे के गंभीर खतरे से जूझ रहा है और राज्य को अपने युवाओं तथा भविष्य की सुरक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई, मजबूत नेतृत्व और दृढ़ संकल्प की जरूरत है।

'शौर्यांजलि : बस्तर के नायकों को समर्पित'

शहीद परिवारों का सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता , हर सुख-दुख में साथ खड़ी है सरकार : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बस्तर की धरती पर शांति की स्थापना और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे वीर जवानों का शौर्य, त्याग और समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। हमारे जवानों ने केवल नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं किया, बल्कि अपने रक्त और बलिदान से बस्तर में शांति, सुरक्षा और खुशहाली के नए युग की नींव रखी है। आज बस्तर में शांति और विश्वास की जो नई सुबह दिखाई दे रही है, उसके पीछे हमारे सुरक्षा बलों का अदम्य साहस और अमर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान है।

मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर में द हिन्दू फाउंडेशन, नागपुर द्वारा आयोजित 'शौर्यांजलि : बस्तर के नायकों को समर्पित' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बस्तर में शांति और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 50 अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री ने शहीद परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी अपने को खोने की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। जब एक जवान देश



और समाज की रक्षा करते हुए शहीद होता है तो एक मां अपना बेटा, पत्नी अपना जीवनसाथी और बच्चे अपने पिता का साया खो देते हैं। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन पूरा छत्तीसगढ़ अपने वीर सपूतों और उनके परिवारों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने शहीद परिवारों से कहा कि आपके अपने केवल आपके परिवार के सदस्य नहीं थे, वे पूरे छत्तीसगढ़ और राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने अपने जीवन से साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसे आने वाली पीढ़ियां गर्व और सम्मान के साथ याद करेंगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। मातृभूमि और समाज की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले जवानों के परिवारों की चिंता करना सरकार का दायित्व है। राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ शहीद परिवारों के सुख-दुख में सहभागी है और भविष्य में भी हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवार हमारे लिए केवल सहायता के पात्र परिवार नहीं, बल्कि हमारे अपने परिवार हैं। उनका सम्मान करना और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति तथा बेहतर समन्वय के साथ अभियान चलाया है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्धारित 31 मार्च 2026 के लक्ष्य को लेकर सुरक्षा बलों ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि चार दशकों से बस्तर में गहरी जड़ें जमा चुके नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष आसान नहीं था।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम के निर्देशों पर फसलों की देखरेख और नुकसान की रोकथाम पर जोर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में किसानों की फसलों को कीट एवं रोगों से होने वाले नुकसान से बचाने और कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से फसल स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के निर्देशों के अनुरूप किसानों को फसलों में कीट एवं रोगों की समय पर पहचान करने, वैज्ञानिक तरीके से उनका निदान कराने तथा उचित नियंत्रण उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दिशा में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर द्वारा उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों और क्षेत्रीय कृषि परामर्श सेवाओं का लाभ लेने की सलाह दी गई है।

फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप किसानों के लिए चुनौती बन सकता है। समय पर समस्या की पहचान नहीं होने अथवा बिना उचित जानकारी के कृषि रसायनों का छिड़काव करने से फसल को नुकसान पहुंचने के साथ उत्पादन लागत भी बढ़ सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि



वे फसल में असामान्य लक्षण दिखाई देने पर पहले समस्या का वैज्ञानिक निदान कराएं और उसके बाद ही उपयुक्त नियंत्रण उपाय अपनाएं।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का क्रॉप डॉक्टर (Crop Doctor) ऐप फसलों में दिखाई देने वाले लक्षणों के आधार पर कीट एवं रोग संबंधी समस्याओं को समझने तथा उनके प्रबंधन की जानकारी प्राप्त करने का उपयोगी डिजिटल माध्यम है। पत्तियों का पीला पड़ना, धब्बे आना, पौधों का मुरझाना, तनों एवं जड़ों को नुकसान पहुंचना अथवा कीटों का प्रकोप जैसे लक्षणों के संबंध में किसान इस ऐप के माध्यम से उपलब्ध जानकारी का लाभ ले सकते हैं।

ऐप से प्राप्त जानकारी संभावित समस्या को समझने में सहायक हो सकती है। हालांकि, गंभीर अथवा अस्पष्ट मामलों में कृषि वैज्ञानिकों से परामर्श लेकर समस्या की पुष्टि कराना जरूरी है।

मोबाइल संदेशों से क्षेत्रीय कृषि परामर्श पर जोर

फसल की अवस्था, मौसम और क्षेत्र विशेष में कीट एवं रोगों के संभावित प्रकोप को ध्यान में रखते हुए समय पर कृषि परामर्श प्राप्त करना फसल सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित परामर्श सेवाओं के माध्यम से किसानों तक मोबाइल संदेशों द्वारा कृषि संबंधी जानकारी पहुंचाई जाती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने क्षेत्र के लिए जारी आधिकारिक कृषि परामर्श पर ध्यान दें और उसी के अनुरूप फसल प्रबंधन करें।

कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से लें सलाह

फसल में असामान्य लक्षण दिखाई देने, कीट अथवा रोग की पहचान स्पष्ट नहीं होने या सामान्य उपायों से लाभ नहीं मिलने पर किसान अपने जिले के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से संपर्क कर सकते हैं। परामर्श के लिए किसान फसल का नाम, किस्म, वर्तमान अवस्था, प्रभावित पौधों एवं पत्तियों की स्पष्ट तस्वीरें, नुकसान का स्वरूप तथा हाल में उपयोग किए गए उर्वरकों और कृषि रसायनों की जानकारी उपलब्ध कराएं। इससे वैज्ञानिकों को समस्या के संभावित कारणों का आकलन करने और उपयुक्त प्रबंधन संबंधी मार्गदर्शन देने में सहायता मिलेगी। आवश्यकता पड़ने पर नमूनों की जांच अथवा खेत का निरीक्षण भी कराया जा सकता है।

सही पहचान के बाद ही करें कृषि रसायनों का उपयोग

किसानों से अपील की गई है कि वे बिना सही पहचान के किसी भी कीटनाशक अथवा अन्य कृषि रसायन का छिड़काव न करें। कृषि रसायनों का चयन फसल और लक्षित कीट या रोग के अनुरूप करें तथा उत्पाद के लेबल पर दिए गए निर्धारित मात्रा, प्रतीक्षा अवधि, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों और अन्य निर्देशों का पालन करें। समय पर समस्या की पहचान, वैज्ञानिक निदान और उचित नियंत्रण उपाय अपनाने से फसल क्षति कम करने, कृषि लागत का बेहतर प्रबंधन करने तथा उत्पादन की गुणवत्ता सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

'जॉर्ज सोरोस के दम पर रिजीम चेंज का सपना न देखें'

किरेन रिजिजू की दो टूक-भारत में सरकार वोट से बदलती है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को देश में 'रिजीम चेंज' के असफल प्रयास के लिए युवाओं को भड़काने वाले 'भारत-विरोधी' गिरोहों और कुछ राजनेताओं की कड़ी आलोचना की. रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत में 'रिजीम चेंज' बिल्कुल संभव है, लेकिन केवल चुनावों के माध्यम से, 'सोरोस' के माध्यम से नहीं. उन्होंने अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस का नाम लेकर मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर देश में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के पीछे विदेशी साजिश की ओर इशारा किया.सोरोस और उनके नेटवर्क पर दुनिया भर में, विशेष रूप से रूढ़िवादी नेताओं द्वारा शासित देशों में विरोध प्रदर्शनों को वित्त पोषित करने के आरोप लगे हैं. रिजिजू ने फ्रांस में हिंसा की नई लहर का हवाला देते हुए और बांग्लादेश में हुए हिंसक सत्ता परिवर्तन का उदाहरण देते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे बलों के असफल प्रयास की आलोचना की. उन्होंने कहा



कि बांग्लादेश में हुई हिंसक घटना और फ्रांस में हुए दंगे, आगजनी और लूटपाट—इसी तरह की साजिश भारत के लिए भी रची गई थी.

रिजिजू ने कहा कि भारत विरोधी गिरोहों और कुछ राजनेताओं ने मिलकर युवाओं को भड़काने और हमारी सड़कों पर हिंसा फैलाने की साजिश रची थी. लेकिन इस खतरनाक साजिश को रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस. भाजपा नेता की ये टिप्पणियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मतदाता सूची के एसआईआर में कथित अनियमितताओं के आरोप में हटाने की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच आईं. विपक्षी दलों का दावा है कि अनियमितताओं के कारण 13 करोड़ से अधिक भारतीयों के नाम मतदाता सूची से छूट गए हैं.

इससे पहले 17 अक्टूबर को, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रशांत भूषण और अरविंद केजरीवाल सहित अन्य विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यों ने उनके असली इरादों को उजागर कर दिया है. उन्होंने विपक्षी दलों पर कथित तौर पर 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' का हिस्सा होने का भी आरोप लगाया.

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशांत किशोर, प्रशांत भूषण, राहुल गांधी, और अरविंद केजरीवाल सभी के असली रंग सामने आ गए हैं. एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व मानचित्र पर स्थापित किया है, न केवल मान्यता के मामले में, बल्कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करके; दूसरी तरफ, शिवसेना, कांग्रेस, और कॉकरोच जनता पार्टी समेत ये सभी विपक्षी दल टुकड़े-टुकड़े गिरोह के सदस्य हैं.

पूजा पंडाल हादसे में 17 लोगों की मौत, हादसे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रद्द किए कार्यक्रम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुए हादसे के बाद, उन्होंने रविवार को पश्चिम बंगाल में अपने सभी तय कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। गृह मंत्री शाह ने इस दुर्घटना को लेकर पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी से भी बात की है। अमित शाह ने इस घटना में हुई मौतों पर शोक भी जताया है।

अमित शाह ने X पोस्ट में लिखा, 'अभी-अभी कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा



पूजा पंडाल में हुई भगदड़ का अत्यंत दुःखद समाचार मिला। इस संबंध में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से बात की। इस हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं और परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। प्रशासन द्वारा घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। पश्चिम बंगाल के अपने कल के सभी कार्यक्रम स्थगित कर अस्पताल जाकर घायलों से मिलूंगा। मां दुर्गा से सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'

गौरतलब है कि कोलकाता के चोरबागान में शाम करीब 7 बजकर 40 मिनट पर हादसा हुआ है। यहां दुर्गा पूजा पंडाल का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। जिसमें दबने से 17 लोगों की मौत हो गई है।

बस -कार के बीच जोरदार टक्कर, पांच की मौत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के बीड जिले के माजलगांव तालुका में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक एसटी बस और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। हादसा सुबह करीब 11 बजे खामगांव-पंढरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिंदेवाड़ी फाटे के पास हुआ। बताया जा रहा है कि कार सवार श्रद्धालु तुलजापुर में दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर



पहुंची। पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

इस दर्दनाक हादसे का वीडियो फुटेज भी सामने आया है, जो पास में ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सीसीटीवी कैमरे में कैद वीडियो में देखा जा सकता है कि हादसा कितना भयावह था। वीडियो में कुछ देर तो वाहन सामान्य गति से आते-जाते हुए देखे जा रहे हैं। इसी बीच हादसे में शामिल बस दिखाई देती है और तभी सामने से आ रही अनियंत्रित कार ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार पहले से ही अनियंत्रित थी और बस में आकर टकरा गई, जबकि बस अपनी लेन में सामान्य गति से चल रही थी। हादसे के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। फिलहाल इस हादसे के बाद कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में गजानन नामदास समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मंदिर के गेट से टकराया ट्रक, 45 श्रद्धालुओं को कुचला, 15 की मौत

ग्वालियर ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भीषण हादसा हो गया. शीतला माता मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने कुचल दिया. हादसे में करीब 15 लोगों की मौत की खबर है. वहीं 29 लोग घायल बताए जा रहे हैं. जिनमें से 57 लोगों की हालत गंभीर है. सभी घायलों को इलाज के लिए जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हादसे की खबर के बाद कलेक्टर, एसपी और तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे. प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि ट्रक में ओवर लोड सामान था. उसने कई लोगों और दुकानों को रौंद दिया. हादसे पर सीएम मोहन यादव, राहुल गांधी सहित कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दुख जताया



है. असल में ग्वालियर के शीतला मंदिर पर नवरात्रों में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ टूटती है और दर्शन दिन रात चलते हैं. शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1:30 से 2 बजे के बीच चीनोर की ओर से मंदिर गेट से गुजरने वाले रास्ते पर एक अनियंत्रित ट्रक अचानक 45 श्रद्धालुओं को कुचलते हुए मंदिर गेट से टकरा गया. रास्ते की चार दुकानें भी इसकी चपेट में आ गयी. वहीं, मंडी की दीवार ढहने से कई श्रद्धालु मलबे में दब गए. ये लोग शीतला माता मंदिर पर दर्शन के लिए पहुचे थे. हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और आनन फानन में रेस्क्यू शुरू किया गया. पुलिस का कहना है कि. रात करीब 1:30 बजे धान से भरे एक ट्रक को वहां रोका गया था. लेकिन ट्रक चालक पुलिस बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गया. इसके बाद ड्राइवर ने ट्रक पर से नियंत्रण खो दिया. ट्रक ढलान से नीचे आया और मंदिर गेट से टकरा गया. इस दौरान ट्रक ने करीब 45 लोगों को चपेट में ले लिया था.

तेज रफ्तार बुलेट का कहर जसगीत गाने जा रही 2 महिलाओं की मौत, चालक घायल

कोरबा. छत्तीसगढ़ के कोरबा में दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 2 महिलाओं की मौत हो गई. वह अपनी टोली के साथ ठाकुर देवता स्थल पर जसगीत गाने के लिए जा रहीं थी. इस दौरान गोपालपुर मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार बुलेट ने उन्हें ठोकर मार दी. मामला दर्री थाना इलाके का है.पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को रात 8 बजे के करीब महिलाओं की टोली मादर-ढोल लेकर ठाकुर देवता स्थल पर जसगीत गाने जा रही थीं. गोपालपुर मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार बुलेट (CG 12 AR 8993) पर चालक काबू नहीं रख पाया, और महिलाओं को जाकर टक्कर मार दी. घटना में कुछ महिलाएं और बाइक चालक को गंभीर चोटें आईं.

घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो महिलाओं को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. मृतिकाओं की पहचान ब्रिंदा बाई मंहत और शकुंतला बाई मंहत के रूप में हुई, दोनों आपस में रिश्तेदार हैं. फिलहाल बाइक चालक (राहुल) का इलाज जारी है.

जेलर 2 की बॉक्स ऑफिस पर धूम, दो दिन में 96.80 करोड़ रुपये की कमाई, बनी तमिल की 5वीं सबसे बड़ी फिल्म

मुंबई (एजेंसी)। सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के पहले दो दिनों में ही फिल्म ने 96.80 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर लिया है। पहले दिन लगभग 60 करोड़ रुपये की दमदार शुरुआत करने वाली इस फिल्म की कमाई दूसरे दिन जरूर घटी, लेकिन इसके बावजूद कारोबार मजबूत बना रहा। दर्शकों से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के बीच फिल्म ने वर्ष 2026 में तमिल सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में भी जगह बना ली है।

निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की 'जेलर ने पहले दिन 59.70 करोड़ रुपये की कमाई के साथ अपना खाता खोला। दूसरे दिन यानी पहले शुक्रवार को फिल्म ने 37.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन की कमाई में लगभग 37.86 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

फिल्म ने दो दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल 96.80 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया है। इसका सकल कारोबार 114.23 करोड़ रुपये बताया गया है। शुरुआती दो दिनों के आंकड़े फिल्म की मजबूत शुरुआत की ओर संकेत करते हैं।



'जेलर 2 ने महज दो दिनों में वर्ष 2026 की तमिल फिल्मों की कमाई सूची में पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। इसने लोकेश कनगराज और वामिका गब्बी की फिल्म 'डीसी के 69.46 करोड़ रुपये के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है।

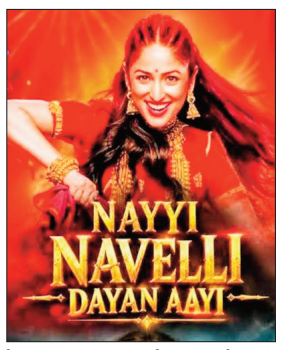
अब फिल्म की नजर सूची में तीसरे स्थान पर पहुंचने पर है। उपलब्ध कारोबार के आंकड़ों के अनुसार, तीसरे दिन यह 'मंदादी के 101.92 करोड़ रुपये और 'विश्वनाथ एंड संस के 122.54 करोड़ रुपये के आंकड़ों को पार करने की कोशिश करेगी। हालांकि, फिल्म इन फिल्मों को पीछे छोड़ पाएगी या नहीं, यह तीसरे दिन के वास्तविक कारोबार पर निर्भर करेगा।

'जेलर 2 का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है, जबकि इसका निर्माण कलानिधि मारन के सन पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। फिल्म में रजनीकांत के साथ एस.जे. सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, सूरज वेंजारामूडु, राम्या कृष्णन और विद्या बालन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

इसके अलावा मोहनलाल, शिव राजकुमार, जैकी श्रॉफ और ऋतिक रोशन विशेष भूमिकाओं में नजर आते हैं। फिल्म का बजट लगभग 350 करोड़ रुपये बताया गया है।

पहले दो दिनों में शानदार कारोबार के बाद अब फिल्म के तीसरे दिन के प्रदर्शन पर निगाहें टिकी हैं। यदि कमाई की रफ्तार बनी रहती है, तो 'जेलर 2 तमिल सिनेमा की वर्ष 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में और ऊपर पहुंच सकती है।

नई नवेली ने मारी बाजी



मुंबई (एजेंसी)। बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन की जंग में यामी गौतम की फिल्म नई नवेली ने बाजी मार ली है। दर्शकों के बीच मची खींचतान के बीच इस सुपरनैचुरल कॉमेडी ड्रामा ने राजकुमार राव की कोर्टरूम ड्रामा प्रहार को कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है। हालांकि दोनों फिल्मों की शुरुआत धीमी रही, लेकिन बेहतर ओपनिंग दर्ज कर यामी गौतम की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस की रेस में बढ़त बना ली है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, यामी की फिल्म नई नवेली ने देश के 6,281 शो से पहले दिन 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। उधर दुनियाभर में इसकी कमाई 4.58 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

दूसरी तरफ, राजकुमार राव की फिल्म प्रहार की शुरुआत नई नवेली की तुलना में थोड़ी धीमी रही। इस फिल्म ने देशभर के 4,133 शो के जरिए पहले दिन केवल 2.35 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की है।

बता दें कि आगे नई नवेली और प्रहार की राह बॉक्स ऑफिस पर मुश्किल नजर आ रही है। नकारात्मक समीक्षाओं और दर्शकों से मिली खराब प्रतिक्रिया के कारण यामी की फिल्म के लिए राह आसान नहीं होगी। दूसरी ओर, समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बावजूद प्रहार को दर्शक नहीं मिल रहे हैं, क्योंकि लोग 26/11 हमलों पर आधारित एक और फिल्म देखने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

दृश्यम 3 बनेगी साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म?

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता अजय देवगन की अपराध-रोमांचक फिल्म 'दृश्यम 3 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक 336.60 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई कर ली है। हालांकि, रिलीज के तीसरे सप्ताह में 'जेलर 2, 'नई नवेली, 'प्रहार और 'राणाबाली जैसी फिल्मों से मुकाबले के कारण इसके प्रदर्शन पर कुछ असर पड़ा है। सिनेमाघरों में फिल्म के प्रदर्शन की संख्या घटने के साथ इसकी दैनिक कमाई में भी गिरावट दर्ज की गई है। इसके बावजूद फिल्म प्रतिदिन करोड़ों रुपये का कारोबार कर रही है। फिल्म की मौजूदा कमाई को देखते हुए 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। हालांकि, यदि इसकी कमाई की रफ्तार बनी रहती



है, तो यह वर्ष 2026 में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है। इसके लिए इसे 'बॉर्डर 2 के कुल कारोबार को पीछे छोड़ना होगा।

'दृश्यम 3 ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 3.10 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। इससे एक दिन पहले, 14वें दिन फिल्म ने 4.25 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह एक दिन में इसकी कमाई में लगभग 27.06 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। फिल्म का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल शुद्ध कारोबार 336.60 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इसका कुल सकल कारोबार 532.39 करोड़ रुपये बताया गया है। तीसरे सप्ताह में नई फिल्मों की रिलीज और सिनेमाघरों में घटते प्रदर्शनों के बावजूद फिल्म का करोड़ों में कारोबार जारी रहना इसके लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

'मटका किंग' के दूसरे सीजन में और प्रभावशाली होगी गुलरुख, कृतिका कामरा फिर निभाएंगी अहम भूमिका

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री कृतिका कामरा हमेशा से ऐसे महिला किरदार निभाना पसंद करती आई हैं, जिन्हें किसी एक पहचान, विचार या दायरे में सीमित नहीं किया जा सकता। उनके लिए ऐसे किरदार खास हैं, जिनमें भावनात्मक गहराई, अपने फैसले लेने की स्वतंत्रता और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की आंतरिक शक्ति दिखाई देती है। अपने अभिनय सफर में कृतिका ने ऐसी महिलाओं की कहानियों को प्राथमिकता दी है, जो परंपरागत सोच को चुनौती देती हैं और सामाजिक तथा भावनात्मक जटिलताओं के बीच अपनी पहचान बनाने का प्रयास करती हैं।

इसी कड़ी में उनकी चर्चित शृंखला 'मटका किंग' का गुलरुख किरदार भी शामिल है। पहले सीजन में गुलरुख की भूमिका के लिए सराहना हासिल करने के बाद कृतिका अब दूसरे सीजन में एक बार फिर इस किरदार के रूप में दर्शकों के सामने आएंगी। आगामी सीजन में गुलरुख की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली होने वाली है।

कृतिका के अनुसार, गुलरुख की सबसे खास बात यह है कि उसकी ताकत को किसी पारंपरिक रूप में



प्रस्तुत नहीं किया गया है। वह ऐसी महिला है, जिसका व्यक्तित्व उसकी परिस्थितियों से प्रभावित होता है, लेकिन उन्हीं परिस्थितियों के बीच वह अपने फैसले लेने, अपनी अहमियत पहचानने और अपनी अलग पहचान बनाने की क्षमता भी विकसित करती है।

गुलरुख के किरदार के प्रति अपने आकर्षण के बारे में कृतिका कामरा कहती हैं कि वह हमेशा ऐसी महिलाओं की भूमिकाओं की ओर खिंची चली आई हैं, जिनका व्यक्तित्व जटिल होता है और जिनमें कई तरह की भावनाएं तथा विरोधाभास मौजूद होते हैं।

उनके मुताबिक, गुलरुख में कमजोरी, महत्वाकांक्षा, समझदारी और मजबूती जैसे अलग-अलग गुण एक साथ दिखाई देते हैं। यही विविधता उसके व्यक्तित्व को गहराई देती है और उसे अभिनेत्री के लिए खास बनाती है। कृतिका का मानना है कि किसी महिला किरदार की वास्तविक पहचान केवल उसकी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों के बीच लिए गए उसके फैसलों और उसके बदलते दृष्टिकोण से भी बनती है।

कृतिका ने अपने अभिनय जीवन में ऐसे किरदारों को चुना है, जिनकी भावनात्मक और मानसिक दुनिया उनकी बाहरी परिस्थितियों से कहीं अधिक व्यापक होती है। गुलरुख भी इसी तरह का किरदार है। इसके माध्यम से अभिनेत्री को ऐसी महिला की यात्रा प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है, जो धीरे-धीरे अपनी ताकत को पहचानती है और समय के साथ अपनी क्षमताओं तथा निर्णयों को देखने का नजरिया बदलती है।

सेहत

रोजाना करें क्रैब वॉक एक्सरसाइज, मिलेंगे 5 बेहतरीन फायदे

क्रैब वॉक एक ऐसा एक्सरसाइज है, जो न केवल आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, बल्कि आपके पूरे शरीर को संतुलित और स्वस्थ रखता है। यह एक्सरसाइज आपके शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और रोजमर्रा की गतिविधियों में सहायक होता है। क्रैब वॉक करने से आपके कंधे, पीठ, पेट और पैरों की मांसपेशियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आइए आज हम आपको इस एक्सरसाइज के कुछ बेहतरीन फायदों के बारे में बताते हैं।

कंधों और पीठ को मजबूत बनाता है

क्रैब वॉक करते समय आपके कंधे और पीठ की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। इस एक्सरसाइज से आपके कंधों की ताकत बढ़ती है और पीठ की मांसपेशियों पर अच्छा असर पड़ता है।

नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपकी मुद्रा सही रहती है और कंधों में जाम होने वाली समस्या से राहत मिलती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज पीठ की मांसपेशियों को मजबूती देता है, जिससे पीठ दर्द की समस्या कम होती है।

पेट की चर्बी घटाने में है मददगार

क्रैब वॉक एक बेहतरीन कार्डियो एक्सरसाइज है, जो पेट की अतिरिक्त चर्बी को घटाने में मदद करता है। इस एक्सरसाइज से आपका दिल तेजी से धड़कता है, जिससे कैलोरी बर्न होती है और पेट की चर्बी घटती है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी कम होती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे पेट



का आकार भी सुधरता है।

संतुलन बनाए रखने में है सहायक

क्रैब वॉक करते समय आपके पैर और हाथ एक-दूसरे के विपरीत चलते हैं, जिससे आपका संतुलन बेहतर होता है।

यह एक्सरसाइज आपके शरीर की स्थिरता और संतुलन क्षमता को बढ़ाता है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका शरीर स्थिर रहता है और रोजमर्रा की गतिविधियों में भी आसानी होती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पैरों और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे आपका संतुलन और भी बेहतर होता है।

मानसिक सेहत के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज हमेशा मानसिक सेहत के लिए फायदेमंद होता है और क्रैब वॉक भी इससे अछूता नहीं है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका मूड बेहतर होता है, तनाव कम होता है और मानसिक स्पष्टता मिलती है। यह एक्सरसाइज आपको ऊर्जावान महसूस कराता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपकी मानसिक शक्ति को भी मजबूत करता है, जिससे आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं और जीवन में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होते हैं।

लचीलेपन को बढ़ावा देता है

क्रैब वॉक करते समय आपके शरीर की सभी मुख्य मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जिससे लचीलापन बढ़ता है।

इस एक्सरसाइज से आपकी जांघों, कूल्हों और कंधों की लचक सुधरती है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका शरीर अधिक लचीला बनता है, जिससे रोजमर्रा की गतिविधियों में आसानी होती है।

इस प्रकार क्रैब वॉक एक सरल लेकिन प्रभावी एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

प्रोटीन का पावरहाउस है ये सब्जी

बहुत से लोग अंडे से प्रोटीन की जरूरत को पूरी करते हैं लेकिन रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में भी इसकी भरपूर मात्रा पाई जाती है। ऐसी ही एक सब्जी ब्रोकोली है, जो गोभी की तरह दिखती है लेकिन प्रोटीन के मामले में अंडे से कम नहीं है। शाकाहारी लोग इसके सेवन से प्रोटीन की आवश्यकता को पूरी कर सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक अंडा खाने से शरीर को करीब 6 ग्राम प्रोटीन मिलता है, जबकि 100 ग्राम ब्रोकली में करीब 3 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है। इसका मतलब ब्रोकली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। अंडा न खाने वालों के लिए ये बेहतर ऑप्शन है।

ब्रोकोली के क्या-क्या फायदे

1. वजन कम करने में मददगार

ब्रोकली में अंडे के मुकाबिल कम कैलोरी पाया जाता है। इसमें 2.6 ग्राम डाइटरी फाइबर होता है, जो वजन कम करने में मददगार होता है। इसे खाने से वजन कम होता है और मोटापा भी बढ़ने नहीं पाता है।

2. कैंसर का खतरा कम

ब्रोकोली एक तरह की क्रुसिफेरस सब्जी होती है, जिसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। ये सभी कैंसर का कारण बनने वाली सेल्स को डैमेज होने से रोकने का काम करती हैं। इससे कैंसर का खतरा कम होता है।

3. हड्डियों को मिलती है मजबूती

कैल्शियम और कोलेजन हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करते हैं। ब्रोकली में दोनों ही पाए जाते हैं। इसके अलावा इस सब्जी में विटामिन K भी पाया जाता है। जिसके नियमित सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस रोकने में मदद मिल सकती है।

4. इम्यून सिस्टम बनेगा मजबूत

ब्रोकोली में विटामिन सी अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करता है। इसके सेवन से सर्दी के मौसम में कई तरह की समस्याओं से बच सकते हैं और बीमारियां दूर रहती हैं।

एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश में होता है ये अंतर, जानिए इनके बारे में

शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश का सहारा लिया जा सकता है। हालांकि, कई लोगों के लिए ये तीनों तकनीकें एक ही तरह की लगती हैं, लेकिन वास्तव में ये तीनों अलग हैं और इनका इस्तेमाल करने का तरीका भी अलग है। आइए आज हम आपको तीनों तकनीकों के इस्तेमाल और इनके बीच के अंतर के बारे में विस्तार से बताते हैं ताकि आप इनसे जुड़ी किसी भी भ्रम की चपेट में न आएं।

एक्यूप्रेशर क्या है?

एक्यूप्रेशर एक ऐसी तकनीक है, जिसके जरिए शरीर की बाहरी त्वचा पर हल्का दबाव डालकर ऊर्जा को संतुलित किया जा सकता है। इसके लिए हाथों की उंगलियों का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक दर्द और तनाव को कम करने, पाचन क्रिया को सुधारने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। एक्यूप्रेशर की प्रक्रिया के दौरान शरीर में खून के प्रवाह को बढ़ाने के साथ-साथ मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद मिल सकती है।



एक्यूपंक्चर की प्रक्रिया कैसे होती है?

एक्यूपंक्चर एक ऐसी पारंपरिक चीनी चिकित्सा है, जिसमें पतली सूई को त्वचा में डालकर दबाया जाता है। यह प्रक्रिया शरीर के खास बिंदुओं पर की जाती है और माना जाता है कि इससे ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित करने में मदद मिलती है। एक्यूपंक्चर दर्द को कम करने, तनाव को दूर करने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक है। इस प्रक्रिया के दौरान सूई का इस्तेमाल करने की जरूरत होती है, जबकि एक्यूप्रेशर में ऐसा नहीं होता।

मालिश क्या है?

मालिश एक शारीरिक तकनीक है, जिसमें हाथों से शरीर के हिस्सों को रगड़कर या दबाकर आराम दिया जाता है। मालिश अलग-अलग तरह से की जा सकती है, जैसे कि सिर की मालिश, पीठ की मालिश, पैरों की मालिश आदि।

यह प्रक्रिया शरीर के खून के प्रवाह को बढ़ाने, मांसपेशियों को आराम देने और तनाव को कम करने में मदद कर सकती है। मालिश में किसी भी उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

तीनों तकनीकों में क्या अंतर है?

एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश तीनों तकनीकें अलग-अलग होती हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल के लिए शरीर की ऊर्जा को संतुलित करना मुख्य उद्देश्य होता है। एक्यूप्रेशर के लिए हाथों की उंगलियों का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि एक्यूपंक्चर के लिए पतली सूई की जरूरत होती है। मालिश के लिए सिर्फ हाथों का इस्तेमाल होता है। इन तीनों तकनीकों का इस्तेमाल करने से दर्द को कम करने, तनाव को दूर करने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

इन चीजों का ध्यान रखना है जरूरी

एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश को सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इनका सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। गलत तरीके से इनका इस्तेमाल करने पर चोट लगने या अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं या गर्भवती हैं तो इन तकनीकों का इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। इन तकनीकों का इस्तेमाल करने से पहले इनसे जुड़ी जानकारी अच्छी तरह से पढ़ लें और किसी विशेषज्ञ की सलाह लें।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

सोमवार 19 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

चाकू की नोंक पर 2 सौ लूट

महासमुंद। शिशु संस्कार केंद्र के कक्षा नौवीं के छात्र को दिनदहाड़े चाकू की नोक पर धमकाकर 200 रुपए लूटने का मामला सामने आया है। झालखमरिया से बस से महासमुंद पहुंचे छात्र पुष्कर ध्रुव को स्कूल जाते समय नकुल ढीढी गार्डन के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति ने रोक लिया। आरोपी ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और उसकी जेब से 200 रुपए निकालकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पुष्कर ध्रुव बस से उतरने के बाद दोपहर करीब 12 बजे नकुल ढीढी गार्डन के पीछे वाले रास्ते से पैदल स्कूल जा रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि आरोपी ने चाकू दिखाकर छात्र को जान से मारने की धमकी दी और जेब में रखे 200 रुपए छीन लिए। घटना के बाद छात्र बुरी तरह भयभीत हो गया। स्कूल के अन्य छात्रों के मुताबिक इस रास्ते पर बच्चों को डराने-धमकाने और उनसे रुपए मांगने की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। ऐसे में दिनदहाड़े छात्र को चाकू दिखाकर लूटे जाने की घटना ने स्कूल आने-जाने वाले बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की लिखित शिकायत पुलिस से की गई है। शिशु संस्कार केंद्र के प्राचार्य एवं प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से नकुल ढीढी गार्डन के पीछे के सुनसान रास्ते सहित आसपास के संवेदनशील इलाकों में स्कूल समय के दौरान पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

महिला को बाइक ने मारी टक्कर

महासमुंद। ग्राम खरोरा में सड़क पार करने के लिए डिवाइडर के पास खड़ी महिला को बाइक चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला के हाथ और पैर में चोटें आई हैं। मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार खरोरा स्थित सांई मंदिर के सामने दुकान संचालित करने वाली ललिता चंद्राकर 10 अक्टूबर की शाम करीब 7 से 7.30 बजे के बीच दुकान बंद कर पैदल घर जा रही थीं। सांई मंदिर के पास सड़क पार करने के लिए वह डिवाइडर के पास खड़ी थीं। इसी दौरान रायपुर की ओर से आ रही यामाहा मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी-04 क्यूवाय 4781 के चालक उत्तम साहू ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में ललिता के बाएं हाथ और पैर में चोटें आईं। उनके पुत्र ओमप्रकाश चंद्राकर की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

लेनदेन को लेकर विवाद, दो लोगों से मारपीट

महासमुंद। सरायपाली थाना क्षेत्र के ग्राम तिलाईपाली में रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद के बाद दो लोगों से मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में शिवलाल ने बताया कि 14 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे उसके साले सेतकुमार चौहान और पुत्र दुर्गेश चौहान के साथ रुपए के लेनदेन को लेकर रामलाल भोई, हरिशंकर भोई, खिरसिंधु भोई और सितिया भोई ने विवाद किया। आरोप है कि चारों ने गाली-गलौज करते हुए दोनों के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम सारंगपुर कला, कारेसरा और मड़मड़ा में गौरव पथ निर्माण का किया भूमिपूजन

सड़कें ऐसी बननी चाहिए जो लम्बे समय तक चले : विजय शर्मा

कवर्धा ■ दैनन्दिनी

नवरात्रि के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम सारंगपुर कला, कारेसरा और मड़मड़ा में कुल 1 करोड़ 55 लाख 67 हजार रुपये की लागत से गौरव पथ निर्माण का भूमिपूजन कर ग्रामीणों को विकास की सौगात दी। इसमें ग्राम सारंगपुर कला में 47.85 लाख रुपये, कारेसरा में 59.63 लाख रुपये और मड़मड़ा में 48.19 लाख रुपये की लागत से गौरव पथ का निर्माण किया जाएगा। इन निर्माण कार्यों से तीनों गांवों में सड़क सुविधा बेहतर होगी और ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने ग्राम सारंगपुर कला में 5.20 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा भी की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को गौरव पथ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और टिकाऊपन का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कें ऐसी बननी चाहिए, जो लंबे समय तक चलें और ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा दें। निर्माण कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्राम बंदौरा की सड़क का उदाहरण देते हुए बताया कि सड़क की खराब स्थिति की शिकायत मिलने पर उन्होंने तत्काल उसे उखाड़कर दोबारा बनाने के निर्देश दिए थे। अगले



ही दिन सड़क उखाड़ने की कार्रवाई शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि गांव की सड़कों का उपयोग ग्रामीण ही करते हैं, इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखने और किसी भी कमी की जानकारी देने में स्थानीय लोगों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य मनीराम साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, जनपद अध्यक्ष रामकिंकर वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने सहज अंदाज में ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनसे सीधा संवाद किया। उन्होंने लोगों की समस्याएं और मांगें सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के लिए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम सारंगपुर कला में 5.20 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी जरूरतों को सुनने और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश देने से जनसमस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 12 लाख से अधिक आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही पात्र परिवारों को आवास का लाभ दिलाने के लिए सर्वे सूची के अनुसार आगे की प्रक्रिया जारी रहेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाया गया, जिसमें सफलता मिली है। बस्तर में पेड़ों की कटाई और बड़ी खनन परियोजनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा कि इन विषयों पर लोगों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है।

माँ मौली माता के दरबार पहुंचे विधायक रोहित साहू

गरियाबंद/फिंगेश्वर (दैनंदिनी ब्यूरो)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू फिंगेश्वर स्थित माँ मौली माता मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना कर दर्शन किए तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। नवरात्रि के दौरान माता के दरबार में पहुंचकर उन्होंने श्रद्धापूर्वक शीश नवाया। इसके पश्चात विधायक ने मंदिर परिसर स्थित ज्योत कक्ष में पहुंचकर अपने द्वारा प्रज्ज्वलित मनोकामना ज्योत के दर्शन किए और माता के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

मंदिर परिसर में आगमन पर माँ मौली माता मंदिर ट्रस्ट समिति के सरवराकार राजा नीलेन्द्र बहादुर सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष धनराज सूर्यवंशी, ओमप्रकाश बंछोर एवं कमलेश यदु ने विधायक रोहित साहू का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान



मंदिर समिति के सदस्यों ने उन्हें आगामी 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाले भव्य राजा दशहरा महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। राजा दशहरा फिंगेश्वर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें क्षेत्र के लोगों की विशेष भागीदारी रहती है।माँ मौली माता के दर्शन के पश्चात विधायक रोहित साहू स्वर्गीय कृष्ण कुमार ठाकुर के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल हुए और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने फिंगेश्वर के सोसायटी प्रांगण में विराजित दुर्गा माता के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा माता का आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश यदु, फणिकेश्वरनाथ महाविद्यालय के अध्यक्ष राजू साहू, सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष हरीश साहू, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष उत्तम राजवंशी, पार्षद शांति कोसरे, एल्डरमैन संतोषी श्रीवास्तव, लक्ष्मी श्रीवास्तव, भुनेश्वरी साहू, अंजलि देवकर, वीणा निषाद, किशोर साहू, राधेश्याम साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बनी किसान रामकुमार के लिए आर्थिक सहायता

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए फसल नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत कांकेतरा निवासी किसान रामकुमार को योजना के अंतर्गत चना फसल की क्षति होने पर 18 हजार रूपए की बीमा दावा राशि प्राप्त हुई है। इस राशि से उन्हें फसल नुकसान की भरपाई में आर्थिक राहत मिली है। किसान रामकुमार ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2025-26 में अपनी 3 एकड़ कृषि भूमि में चना फसल की बोआई की थी।



फसल को नुकसान होने से उन्हें आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। ऐसे समय में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना उनके लिए सहारा बनी। योजना के अंतर्गत उन्हें 18 हजार रूपए की क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त हुई, जिससे फसल नुकसान से हुए आर्थिक बोझ को कम करने में मदद मिली। रामकुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। फसल नुकसान के समय मिली बीमा राशि से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अन्य किसानों से भी अपनी फसलों का बीमा कराकर योजना का लाभ लेने की अपील की।

कृषक उन्नति योजना से किसान दिनेश यादव को मिलेगा 10 हजार रुपये का लाभ

अम्बिकापुर। शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना किसानों को परंपरागत धान की खेती के साथ अन्य लाभकारी फसलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। कृषि विभाग द्वारा बीज उपलब्ध कराने और तकनीकी मार्गदर्शन दिए जाने से किसान अब मिलेट फसलों की खेती की ओर भी कदम बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम परसा के किसान दिनेश कुमार यादव ने धान के स्थान पर एक एकड़ में रागी (मड़िया) की खेती कर फसल विविधीकरण की दिशा में पहल की है। उनकी



रागी की फसल अच्छी स्थिति में है और कृषक उन्नति योजना के तहत उन्हें 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का लाभ मिलेगा। किसान दिनेश कुमार यादव ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत उन्हें रागी (मड़िया) का बीज उपलब्ध कराया गया था। विभागीय अधिकारियों ने उन्हें रागी की खेती के संबंध में आवश्यक जानकारी और तकनीकी मार्गदर्शन दिया। इसी मार्गदर्शन के आधार पर उन्होंने लगभग एक एकड़ भूमि में रागी की खेती शुरू की।

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों की नियमित देखरेख और सलाह से फसल की बढ़वार अच्छी हुई है। वर्तमान में रागी के पौधे स्वस्थ हैं और अधिकांश फसल तैयार हो चुकी है।

तिलाईदादर में महिला किसान दिवस का आयोजन

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोक आस्था सेवा संस्थान द्वारा वूमेनिटी और दाना के सहयोग से छुरा ब्लॉक के ग्राम तिलाईदादर में महिला किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छुरा ब्लॉक के 20 गांवों से 127 महिलाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना और सभी प्रतिभागियों के परिचय से हुई। इस दौरान महिलाओं ने बताया कि वे सुबह से शाम तक खेतों में काम करती हैं, फिर भी उन्हें महिला किसान के रूप में पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

टोनहीडबरी से संगवारी महिला मंच की दुखिया बाई ने बताया कि लोक आस्था सेवा



संस्थान के सहयोग से उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र से जैविक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अब वे जैविक पद्धति से खेती कर रही हैं, जिससे उन्हें महिला किसान के रूप में नई पहचान मिली है। घोटपानी की सुमित्रा बाई ने बताया कि वन पट्टा मिलने से उन्हें शासन की योजनाओं के तहत खाद-बीज और कम ब्याज दर पर ऋण की सुविधा मिल रही है, जिससे वे अपनी फसल बेहतर कीमत पर बेच पा रही हैं।

देवकी बाई ने बताया कि वे जैविक खेती के साथ उद्यानिकी विभाग से प्रशिक्षण लेकर जैविक विधि से किचन गार्डन भी तैयार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज की पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं की किसान के रूप में पहचान स्थापित करना जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे एकजुट होकर महिलाओं को किसान के रूप में पहचान दिलाने और समाज में उनकी भूमिका को मजबूत करने के लिए प्रयास करेंगी। और महिला किसान के पहचान के लिए आज की पितृसत्ता समाज में अपने पहचान के लिए प्रयास कर रही हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'FIGHT AGAINST DRUGS' थीम के तहत ओडिशा से निकली राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली का कबीरधाम में भव्य स्वागत



पुष्पमाला एवं तिलक लगाकर बाइक राइडर्स का अभिनंदन, नशामुक्त समाज के निर्माण का दिया संदेश

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' एवं 'नशामुक्त भारत, सशक्त भारत' का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से ओडिशा से निकाली गई राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली का आज शाम 5 बजे कबीरधाम जिले के सिग्नल चौक में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर रैली में शामिल ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स का पुष्पमाला पहनाकर एवं तिलक लगाकर आत्मीय अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री आशीष शुक्ला, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अजाक/क्राइम श्री प्रशांत देवांगन, रक्षित निरीक्षक यातायात श्री महेश्वर सिंह, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक श्री लालजी सिन्हा, उप निरीक्षक श्री अजयकांत तिवारी सहित कबीरधाम पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी, स्वामी विवेकानंद एकेडमी के युवक-युवतियाँ एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज के भविष्य को प्रभावित करता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण एवं सकारात्मक गतिविधियों में लगानी चाहिए।

उन्होंने नागरिकों से नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना पुलिस को देकर नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की।

कबीरधाम पुलिस ने रैली के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं नशामुक्त भारत का संदेश प्रसारित करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

शीतला माता मंदिर में महाष्टमी पर हुआ हवन-पूजन



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर की आराध्य देवी मां शीतला माता मंदिर में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर महाष्टमी को विधि-विधान के साथ हवन-पूजन किया गया। इस अवसर पर कन्या भोज का आयोजन भी किया गया। मां शीतला के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। नवरात्र के पहले दिन से ही मंदिर में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। श्रद्धालु माता के दरबार में माथा टेककर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अपनी श्रद्धा और आस्था के साथ 505 जवारा-जोत प्रज्वलित किए गए हैं। इसी तरह नगर के गायत्री मंदिर, दुर्गा मंदिर, काली मंदिर सहित दुर्गा पंडाल में जोत प्रज्वलित किया गया है।

दूर-दराज के क्षेत्रों से भी भक्त माता के दर्शन करने और अपनी मनोकामनाएं लेकर मंदिर पहुंचते हैं।

मंदिर में पंचमी तिथि की दोपहर 2 बजे के बाद से ही महिलाएं मंदिर प्रांगण में प्रवेश करती है। महिलाएं माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना करती हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करती हैं।

महाष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में हवन-पूजन और कन्या भोज के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना की। नवरात्र के दौरान मंदिर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ माता की पूजा-अर्चना में शामिल हो रहे हैं।

इसी प्रकार नगर के अन्य माता मंदिरों और दुर्गा पंडालों में भी महाष्टमी के अवसर पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। जगह-जगह हवन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

नवमी तिथि पर मां शीतला माता मंदिर में जवारा विसर्जन किया जाएगा। इसके साथ ही नगर के अन्य मंदिरों में स्थापित जवारा-जोत का भी विधि-विधान से विसर्जन होगा। नवरात्र के अंतिम दिवस पर माता मंदिरों और दुर्गा पंडालों में भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

गलती हो जाए तो उसे मान लेना ही ठीक रहता है

आदमी से गलती हो सकती है, किसी भी क्षेत्र में आदमी से कोई गलती हो जाए तो उसे जल्दी मान लेना ही ठीक रहता है। इससे ऐसा लगता है कि गलती हो गई तो गलती करने वाले को गलती होने का एहसास है,वह नहीं चाहता था ऐसा करना लेकिन उससे ऐसा हो गया।राजनीतिक दलों के नेता भी आदमी होते हैं,कई बार उनसे भी गलत निर्णय हो जाते हैं। निर्णय करते वक्त उनको लगता है कि वह कोई गलत काम नहीं कर रहे हैं लेकिन जब उस काम की चौतरफा आलोचना होती है तो उनको एहसास होता है कि उनसे गलती हो गई है,वह जिसे सही फैसला समझ रहे थे,वह तो अब गलत माना जा रहा है।राहुल गांधी व कांग्रेस के नेताओं से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने की गलती तो हुई है,लेकिन कांग्रेस व राहुल गांधी ने उसे अब तक न तो गलत माना है और न ही उसके लिए माफी मांगी है। राहुल गांधी ही कांग्रेस के सबसे बड़े नेता हैं,उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वह कोई गंभीर फैसला करते हैं तो अपने पद परिवार की गरिमा का ख्याल रखते हुए करें। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से सलाह मश्वरा कर करें ताकि कोई ऐसी गंभीर गलती न हो जाए जिसके लिए उनको कांग्रेस के इतिहास में याद किया जाए कि कांग्रेस में राहुल गांधी ही ऐसे नेता हुए थे, जिनसे ऐसी गलती हुई थी,जैसी गलती किसी कांग्रेस नेता से नहीं हुई थी। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे व राहुल गांधी से पहली गलती तो यह हुई कि उन्होंने सीजेआई से उन मसलों पर चर्चा के लिए मुलाकात का समय मांगा,जो अदालत में लंबित हैं।ऐसे मामले सीजेआई उनसे कैसे मिल कर उन मुद्दों पर चर्चा कर सकते थे,इसलिए सीजेआई ने मिलने से मना कर दिया क्योंकि इससे देश मे गलत मैसेज जाता।माना जाता जज को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। कांग्रेस व राहुल गांधी एसआईआर व वोट चोरी के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कई बार यह कहकर वह सरकारी गवाह बन जाए,उन पर कार्रवाई नहीं की जाएगी, वह ऐसा नहीं करेंगे तो उन पर कार्रवाई होगी। यानी मुख्य चुनाव आयुक्त को डरा धमका कर प्रभावित करने का प्रयास तो किया ही गया है । ऐसे में सीजेआई उनसे मिल लेते तो माना तो यही जाता कि कांग्रेस ने उनको भी मिलकर प्रभावित करने का प्रयास किया।सीजेआई ने जब मिलने से मना कर दिया तो कांग्रेस व राहुल गांधी को दूसरी गलती सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने का फैसला नहीं करना था, मार्च करने के फैसले बदल देना था।लेकिन देश भर से कांग्रेस व गठबंधन के नेताओं को दिल्ली बुला लिए जाने के कारण कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने का फैसला किया और अब यह फैसला उसकी एक बड़ी गलती मानी जा रही है।भले ही कहा जाए कि यह मार्च ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे,एसआईआर के खत्म करने,कथित वोट चोरी के विरोध में निकाला गया था। इससे भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का मौका मिला और उसने उसे कांग्रेस की बडी गलती के रूप में प्रचारित किया।सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को भी यह ठीक नहीं लगा कि कोई राजनीतिक दल सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाले।उसने तो इसका मतलब यह तक निकाला कि इस मार्च का मकसद तो सुप्रीम कोर्ट पर दबाव डालना था,सुप्रीम कोर्ट को डराना धमकाना था।यही वजह है कि वकीलों की ओर सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस के मार्च को लेकर याचिका दायर की गई और मांग की गई कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के आसपास जुलूस व विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाने के लिए कुछ किया जाए। यानी कार्रवाई करने की मांग की गई।इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मार्च वाली याचिका पर दो टूक कहा है कि सुप्रीम कोर्ट को कोई डरा धमका नहीं सकता,कोर्ट ने यह भी कहा कि अगली सुनवाई में याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण के बारे में पूछेंगे।सीजेआई का यह कहना भी एक तरह से कुछ लोगों के लिए संदेश है कि सुप्रीम कोर्ट दुनिया से अलग-थलग नहीं है,कोर्ट के भीतर व बाहर दिए जा रहे बयानों तथा घटनाओं से वह वाकिफ है। सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च को गंभीरता से लेना जरूरी था और राजनीतिक व गैरराजनीतिक संगठनों को यह संदेश देना जरूरी था कि वह सुप्रीम कोर्ट तक मार्च को गलत समझता है और उसे पसंद नहीं करता है, वह इसे गलत समझता है इसलिए ऐसा करनेवालों पर कार्रवाई भी कर सकता है।ऐसा पहली बार हुआ है इसलिए पहली बार वह भले ही वह लोगों माफी मांगने या स्पष्टीकरण देने के बाद माफ कर दे लेकिन भविष्य में कोई ऐसा करने की हिम्मत न करे इसलिए इस बार राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठनों को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से कड़ा संदेश तो दिया ही जाना चाहिए।कड़ा संदेश नहीं दिया गया तो देश में अराजकता फैलाने वालों का हौसला बढ़ सकता है,अभी तो कुछ लोग कह रहे हैं कि हम रेजीम चेंज करना चाहते हैं, हम रेजीम चेंज करने के लिए यह सब कर रहे हैं, बाद में हो सकता है कि वह वाकई रेजीम चेंज करने के लिए चुनाव की जगह अराजकता का ही रास्ता चुन लें।

राशिफल

मेष आज मन किसी महत्वपूर्ण फैसले को लेकर दुविधा में रह सकता है। ऐसे में जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें, क्योंकि बाद में यही कदम परेशानी का कारण बन सकता है। आपकी स्वतंत्र सोच आपको अपने मन के अनुसार चलने के लिए प्रेरित करेगी, लेकिन आज संयम और धैर्य रखना ज्यादा जरूरी रहेगा। आर्थिक कमी के कारण लंबे समय से अटका कोई काम अब गति पकड़ सकता है। जिस काम में आप पूरी एकाग्रता और समर्पण के साथ जुटेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना मजबूत रहेगी। बस ध्यान भटकने न दें और अपने लक्ष्य पर पूरी नजर रखें।

वृषभ आज का दिन परिवार और अपनों के साथ खुशियां बांटने का अवसर देगा। घर में बैठकर किसी पुरानी समस्या का समाधान निकल सकता है, जिससे वातावरण में सुकून और सकारात्मकता आएगी। भविष्य की योजनाओं को लेकर किसी करीबी व्यक्ति के साथ महत्वपूर्ण बातचीत भी हो सकती है। यदि साझेदारी में कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो उससे जुड़े सभी पहलुओं को अच्छी तरह जांच लें। अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात नई उम्मीद जगा सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को भी कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

मिथुन आज सावधानी और संतुलन बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। वाहन चलाते समय विशेष सतर्क रहें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही भी अनावश्यक खर्च करा सकती है। परिवार या दोस्तों के साथ घूमने की योजना बने तो दिन खुशनुमा हो सकता है। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता या खेल से जुड़ी गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मनपसंद चीजों पर खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी, लेकिन बजट का ध्यान रखना जरूरी होगा। अपनी वाणी पर भी नियंत्रण रखें, क्योंकि आपकी कही कोई तीखी बात रिश्तों में अनावश्यक दूरी ला सकती है।

कर्क पिताजी के साथ किसी विषय को लेकर मतभेद हो सकता है, लेकिन उनकी बात या सलाह को पूरी तरह नजरअंदाज न करें। आगे चलकर वही सलाह आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है। घर में किसी नए काम या बदलाव की योजना बन सकती है और उसके लिए आर्थिक व्यवस्था पर भी विचार करना पड़ेगा। स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही बिल्कुल न करें, क्योंकि छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। अपनी निजी बातें हर किसी से साझा करने से बचें। आज कम बोलना, अधिक सुनना और परिस्थितियों को समझना आपके लिए अधिक लाभकारी रहेगा।

सिंह आज आपका मन आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित हो सकता है। पूजा-पाठ, धार्मिक आयोजन या किसी शुभ कार्य में शामिल होने से मन को शांति और संतोष मिलेगा। परिवार के किसी सदस्य की कोई बात आपको भावुक कर सकती है, लेकिन तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य से स्थिति को समझें। व्यापार में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, फिर भी आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत भी हैं, जिससे आपका आत्मविश्वास और मजबूत होगा।

कन्या विद्यार्थियों के लिए आज का दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। पढ़ाई के साथ किसी प्रशिक्षण, नई जगह सीखने या अनुभव हासिल करने का अवसर मिल सकता है। बीती गलतियों से मिली सीख अब आपके लिए आगे बढ़ने का मजबूत आधार बनेगी। जीवनसाथी के करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर पूरे परिवार में खुशी ला सकती है। निवेश में सोच-समझकर उठाया गया कदम भविष्य में लाभकारी साबित हो सकता है। भाई-बहनों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद संभव है, लेकिन प्रेम और धैर्य से स्थिति आसानी से संभाली जा सकती है।

तुला आज कुछ महत्वपूर्ण लोगों से आपकी मुलाकात भविष्य की दिशा में नया रास्ता खोल सकती है। यात्रा के योग बन रहे हैं और यह यात्रा आपके लिए उपयोगी या लाभदायक साबित हो सकती है। विदेश से जुड़े व्यापार या कामकाज में कोई सकारात्मक समाचार मिलने की संभावना है। आज हर कार्य को योजना बनाकर करना बेहतर रहेगा। अपनी जिम्मेदारियां पूरी तरह दूसरों के भरोसे छोड़ने से निराशा हो सकती है, इसलिए जरूरी कामों पर खुद नजर रखें। स्वास्थ्य को लेकर भी सावधानी बरतें और खान-पान में संतुलन बनाए रखें।

वृश्चिक दिन सामान्य नजर आ सकता है, लेकिन इसके भीतर कई महत्वपूर्ण संकेत छिपे हुए हैं। किसी बड़े निर्णय के समय आपकी समझदारी और व्यावहारिक सोच आपको सही दिशा दिखाएगी। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और मन में नए विचार जन्म ले सकते हैं। कामकाज की भागदौड़ अधिक रहने से थकान महसूस हो सकती है, इसलिए बीच-बीच में आराम भी जरूरी है। संतान के किसी निर्णय से मन थोड़ा परेशान हो सकता है, लेकिन बातचीत और धैर्य से स्थिति बेहतर हो जाएगी। सरकारी कामकाज में लंबे समय से चली आ रही रुकावट दूर होने के संकेत हैं।

धनु आज बीती गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ने का दिन है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके काम में अड़चन डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं और गतिविधियों को लेकर सतर्क रहें। किसी अनजान व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करना उचित नहीं होगा। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर मन को थोड़ी चिंता या उदासी दे सकती है। हालांकि घर में धार्मिक या मांगलिक आयोजन की योजना बनने से वातावरण में सकारात्मकता आएगी और परिवार के बीच खुशी का माहौल बनेगा।

मकर आज आपकी मेहनत, लगन और समर्पण आपको कार्यक्षेत्र में अलग पहचान दिला सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से मिलने वाला कोई सरप्राइज आपके दिन को खास बना सकता है। ऑफिस में आपका प्रदर्शन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगा और इसका लाभ आगे चलकर भी मिल सकता है। नया वाहन खरीदने का विचार मन में उत्साह पैदा करेगा और इस दिशा में योजना भी बन सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर समय रहते उचित ध्यान दें।

कुंभ आज खर्च आपकी उम्मीद से कुछ अधिक हो सकते हैं, इसलिए बजट पर विशेष नजर रखना जरूरी होगा। नया घर या संपत्ति खरीदने का विचार मन में आ सकता है, लेकिन कोई भी फैसला अपनी आर्थिक क्षमता और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर ही लें। परिवार से जुड़ी समस्याओं को बातचीत और समझदारी से सुलझाने का प्रयास सफल रहेगा। यदि किसी बात को लेकर मन परेशान है, तो पिताजी की सलाह और मार्गदर्शन आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है। संतान भी अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाती नजर आएगी।

मीन आज हर काम में सोच-समझकर आगे बढ़ना आपके लिए जरूरी रहेगा। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से किया गया काम गलती का कारण बन सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण कार्यों को दोबारा जांच लें। अपनी वाणी पर विशेष नियंत्रण रखें, क्योंकि आपकी कोई बात वरिष्ठ अधिकारियों को अच्छी न लग सकती है। परिवार के साथ समय बिताने और कहीं घूमने की योजना बनाने का अवसर मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को अपेक्षित लाभ मिलने की संभावना है। यात्रा या किसी महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान मिली जानकारी आगे चलकर आपके लिए किसी बड़े अवसर का रास्ता खोल सकती है।दिन सामान्य नजर आ सकता है, लेकिन इसके भीतर कई महत्वपूर्ण संकेत छिपे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ की शक्तिपीठ परियोजना

पांच प्रमुख शक्तिपीठों का होगा विकास

धनंजय राठौर,संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

पर्यटन एक ऐसी यात्रा या भ्रमण है, जो मनोरंजन या फुर्सत के क्षणों का आनंद उठाने के उद्देश्य से किया जाता है। अतिथि देवो भवः भारतीय परंपरा प्राचीन काल से रही है। छत्तीसगढ़ में लगभग 138 स्थलों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के आधार पर पर्यटन स्थल के रूप में प्राथमिकता दी गई है, जिसमें 58 स्मारकों को 11 अभ्यारण 03 राष्ट्रीय उद्यान को संरक्षित घोषित किया गया है। पर्यटन मानव की प्राचीन एवं मौलिक प्रवृत्ति है। पर्यटन धरातलीय तथा मानवीय विभिन्नताओं विविधताओं का अवलोकन कर ज्ञान की बढ़ोतरी एवं मनोरंजन करता है। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन का एक प्रमुख गंतव्य है। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर ने इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने उत्तराखंड के चार धाम की तर्ज पर राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए शक्तिपीठ परियोजना की शुरुआत की है। इस परियोजना के तहत लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन कॉरिडोर का विकास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शक्तिपीठों एवं महत्वपूर्ण पूजा स्थलों का विकास, सौंदर्याकरण तथा आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं के लिए सुगम पहुंच मार्ग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, विश्राम स्थल एवं सुरक्षा व्यवस्था जैसी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। छत्तीसगढ़ आस्था पथ (शक्तिपीठ भ्रमण) योजना प्रारंभ करने जा रहे हैं, जिसमें पांचों शक्तिपीठों का भ्रमण एवं दर्शन कराया जाएगा, इसके लिए सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में 5 करोड़ का प्रावधान किया है। प्रदेश के पांच शक्तिपीठों कुदरगढ़, डोंगरगढ़, रतनपुर, चन्द्रपुर एवं दंतेवाड़ा को शक्तिपीठ सर्किट के रूप में विकसित करने के लिए बजटीय प्रावधान किया है। इस परियोजना के तहत रतनपुर स्थित मां महामाया, चंद्रपुर की मां चंद्रहासनी, डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी, दंतेवाड़ा की मां दंतेश्वरी और सूरजपुर के कुदरगढ़ मंदिर को एक धार्मिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाना था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सरकार गठन के बाद बजट में इसके लिए पांच करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया था, जिससे प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलने की उम्मीद थी। इन पाँचों शक्तिपीठों को बेहतर सड़कों, यात्री सुविधाओं, विश्राम स्थलों और सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ना। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और जिला प्रशासन द्वारा इन मंदिरों में सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का काम तेजी से किया जा रहा है। केंद्र सरकार की प्रसाद (PRASHAD)योजना के तहत छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले स्थित माँ महामाया मंदिर, रतनपुर के समग्र विकास के लिए 200 करोड़ की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसे केन्द्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय को प्रेषित की गई है। उक्त कार्य योजना को स्वीकृति मिलते ही एंजेसी तय कर कार्य प्रारंभ की जाएगी। यह मंदिर 11वीं-12वीं शताब्दी के दौरान कलचुरी राजा रत्नदेव प्रथम द्वारा बनवाया गया था और यह माँ महालक्ष्मी एवं माँ महासरस्वती को समर्पित है। यह दक्षिण कोशल क्षेत्र की आराध्य देवी और रतनपुर राज्य की कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं। इसके अलावा डोंगरगढ़, कुदरगढ़, चंद्रपुर और दंतेवाड़ा की शक्तिपीठों के लिए सीपीआर तैयार करने प्रक्रियाधीन है। प्रसाद योजना के तहत केंद्र सरकार ने प्रथम चरण में देश के 26 धार्मिक तीर्थ स्थलों का चयन किया है। इन्हें पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जा रहा है ताकि देश-विदेश के पर्यटक यहां पहुंच सकें। पर्यटन को बढ़ावा मिले। इन स्थलों की प्रसिद्धी का विस्तार हो। हमारे प्रमुख देवी तीर्थ स्थल महामाया मंदिर और दंतेश्वरी मंदिर को प्रसाद योजना में शामिल करवाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाकर केंद्र सरकार को भेजा गया है।

यह सुविधाएं की जानी है विकसित

पांचों शक्तिपीठों में गार्डन, ठहने की व्यवस्था, लाइटिंग, हवन-पूजन स्थल, रेलिंग, पानी, सामुदायिक शौचालय, बैठने की व्यवस्था, रोप-वे, पर्यटन मंडल का केंद्र, सीसीटीवी कैमरा, सुरक्षा व्यवस्था और होम स्टे आदि की सुविधाएं विकसित की जानी है। इन स्थलों में बेहतर सड़क संपर्क, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय, सुव्यवस्थित पार्किंग, पर्यटक सहायता केंद्र, डिजिटल सूचना प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ विकसित किया जाएगा। इन पर्यटन स्थलों की



विशिष्टता को ध्यान में रखते हुए उनके विकास में स्थानीय वास्तुकला, संस्कृति और प्राकृतिक परिवेश के संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में स्थित डोंगरगढ़ की सुरम्य पहाड़ियों की गोद में विराजी माँ बम्लेश्वरी देवी इस क्षेत्र की ही नहीं, बल्कि देश-विदेश के लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का मुख्य केंद्र हैं। समुद्र तल से लगभग 1600 फीट की ऊँचाई पर पहाड़ी पर स्थित यह पवित्र मंदिर माँ शक्ति के पावन रूपों में विशेष स्थान रखता है। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में स्थित माँ बम्लेश्वरी मंदिर का इतिहास लगभग 2200 वर्ष पुराना है। यह एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ है। 2200 वर्ष पहले यहाँ कामाख्या नगरी (वर्तमान डोंगरगढ़) थी, जहाँ राजा वीरसेन का शासन था। निःसंतान होने पर उन्होंने शिव और दुर्गा की आराधना की। देवी की कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, जिसके बाद उन्होंने इस मंदिर की स्थापना करवाई। 11वीं शताब्दी में कलचुरी राजा कर्णदेव ने इस मंदिर को पुनर्विकसित किया। बाद में 15वीं-16वीं शताब्दी में गोंड राजाओं ने इस क्षेत्र और मंदिर का विस्तार किया। मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ ही नहीं देश-विदेशों में भक्तों के लिए आस्था का केंद्र हैं। मां बम्लेश्वरी मंदिर का इतिहास 2500 वर्ष से भी प्राचीन बताया जाता है। केंद्र सरकार ने यहां प्रसाद योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर की परियोजना की घोषणा की है।

मां महामाया मंदिर रतनपुर

रतनपुर महामाया मंदिर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर में स्थित एक प्रसिद्ध और ऐतिहासिक सिद्ध शक्तिपीठ है। बिलासपुर-कोरबा मार्ग पर महामाया देवी का यह मंदिर 1050 ईसवी में बना बताया जाता है। राजा रत्नदेव प्रथम द्वारा स्थापित मंदिर क्षेत्र को कलचुरियों की राजधानी माना जाता है। यह कलचुरी राजाओं की कुलदेवी का ऐतिहासिक मंदिर है, जहाँ माता का कंधा गिरने की मान्यता है। इस मंदिर का निर्माण 11वीं-12वीं शताब्दी (लगभग 12-13वीं शताब्दी) में कलचुरी वंश के राजा रतनदेव प्रथम द्वारा कराया गया था। बाद में 1492 ईस्वी (विक्रम संवत 1552) में राजा बहार साईं ने वर्तमान मंदिर का जीर्णोद्धार व निर्माण कराया। गर्भगृह में माँ महामाया की दुर्लभ दोहरी (ड्यूअल) प्रतिमा है - आगे महिषासुरमर्दिनी और पीछे देवी सरस्वती की आकृति विराजमान है। ऐसी मान्यता है कि यहाँ माता सती का दाहिना हाथ गिरा था।

मां दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में स्थित माँ दंतेश्वरी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि स्थानीय जनजातीय परंपरा और सनातन आस्था के अद्भुत मिलन का सबसे बड़ा प्रतीक है। यह मंदिर दंतेवाड़ा में शंखिनी और डंकिनी नदियों के पवित्र संगम तट पर स्थित है, जो सदियों से आदिवासियों और आम लोगों की अगाध श्रद्धा का केंद्र रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहाँ माता सती के दाँत गिरे थे, जिसके कारण इस पावन स्थल का नाम दंतेवाड़ा और माता का नाम दंतेश्वरी पड़ा। 14वीं शताब्दी में निर्मित इस मंदिर की अधिष्ठात्री देवी को बस्तर के काकतीय राजा अपनी कुलदेवी मानते थे। मंदिर के गर्भगृह में काले पत्थर से निर्मित छह भुजाओं वाली महिषासुरमर्दिनी की भव्य मूर्ति स्थापित है। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के दौरान इस मंदिर का महत्व सबसे चरम पर होता है। उत्सव के दौरान माता के छत्र और डोली को दंतेवाड़ा से जगदलपुर ले जाया जाता है, जिसमें शामिल होने के लिए दूर-दूर से हजारों आदिवासी और आम श्रद्धालु पैदल पहुँचते हैं। यह आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता और आपसी भाईचारे को दर्शाता है।

मां बागेश्वरी कुदरगढ़ धाम

सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखंड स्थित बागेश्वरी माता को राक्षसों के संहार के लिए जाना जाता है। यह शक्ति एवं साहस का प्रतीक माना जाता है। 1500 फीट ऊंचे पहाड़ों पर स्थित यह मंदिर चारों ओर घने जंगलों से घिरा है। मान्यता के अनुसार कुदरगढ़ क्षेत्र मां भगवती पार्वती की तपोस्थली रही हैं। जहां माता भगवती ने शक्ति का रूप धारण कर राक्षसों का संहार किया था। बाद में इसी जगह पर लगभग चार सौ साल पहले राजा बालंद ने माता बागेश्वरी को स्थापित किया, वे माता के भक्त थे। बाद में चौहान वंश के राजा ने बालंद को युद्ध में पराजित कर दिया था, जिसके बाद उसी वंश ने माता के मंदिर की देख रेख की। तब से हर साल नवरात्र में सुबह की पहली आरती चौहान वंश के वंशज ही यहां करते हैं। 18वीं सदी में चौहान राजाओं ने छत्तीसगढ़ के मूल आदिवासी बैगा जनजाति को माता के देख-रेख और पूजा की जिम्मेदारी सौंपी थी, तब से आज तक बैगा समुदाय के लोग ही माता कि पूजा करते है।

मां चंद्रहासिनी चंद्रपुर

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले (पूर्व में जांजगीर-चांपा) के चंद्रपुर में महानदी के तट पर स्थित मां चंद्रहासिनी देवी का मंदिर एक प्रसिद्ध सिद्ध शक्तिपीठ है। यह मंदिर महानदी और मांड नदी के संगम के पास चंद्रपुर में स्थित है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, संबलपुर के राजा चंद्रहास ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था, जिसके कारण इस स्थान का नाम 'चंद्रपुर' और देवी का नाम 'चंद्रहासिनी' पड़ा। वर्ष 1522 में चांद्रपुर के गोंड राजा धुंध्या राम साह अत्राम ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। गोंड राजाओं ने मां को अपनी कुलदेवी माना और शक्ति पूजा की परंपरा को आगे बढ़ाया। सक्ती जिला स्थित मां चंद्रहासिनी मंदिर का इतिहास काफी प्राचीन है। यह चंद्रपुर की पहाड़ी पर स्थित हैं। मंदिर की सुंदर कलाकृति प्राचीनता का अनुभव कराती है। लोगों की माता को लेकर बड़ी आस्था है। इसे 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, और ऐसी मान्यता है कि यहां माता सती का बायां कान गिरा था। वर्ष 1935 में महानदी में भीषण बाढ़ आई थी। तब राजा चंद्रहास के वंशज ठाकुर शशिभूषण ने माता को बकरा बलि अर्पित कर प्रार्थना की, जिसके बाद नदी का जलस्तर कम हो गया और लोगों की जान बची। आज भी नदी के पास पत्थर पर माता के पद-चिह्न मौजूद हैं, जिनकी पूजा की जाती है। राज्य के आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक पारिस्थितिकी दृष्टि से संवहनीय पर्यटन को प्रोत्साहित करना है। छत्तीसगढ़ में पर्यटन, अनुभव की गुणवत्ता एवं आकर्षण को सुदृढ़ करना, छत्तीसगढ़ की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार करना, आर्थिक विकास एवं संबन्धित क्षेत्रों में पर्यटन के योगदान में वृद्धि करना। पर्यटन से संबन्धित अधोसंरचना के विकास में निजी निवेशकों के प्रयत्नों को प्रोत्साहित करना। शासन की भूमिका को सुविधापरक बनाना, पर्यटन के क्षेत्र में नई अवधारणाएं जैसे- टाइम शेयर, पारिस्थितिकी पर्यटन, साहसिक पर्यटन, इत्यादि को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय की बौद्धिक सम्पदा एवं अधिकारों का सम्मान करना। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देना, जिससे बेरोजगारों को रोजगार मिलने की संम्भावना होगी।

गन्ना मूल्य में छत्तीसगढ़ देश में नंबर वन

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक
जनसंपर्क, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने किसानों के हितों को ध्यान में रखकर शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया है। पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है। किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे। गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने गन्ना किसानों की आय बढ़ाने और गन्ने की खेती को लाभकारी बनाने के लिए गन्ने के खरीदी मूल्य में बड़ी बढ़ोतरी की है। छत्तीसगढ़ सरकार ने गन्ने का खरीदी मूल्य 355 रूपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 425 रूपए प्रति क्विंटल कर दिया है। इस बढ़े हुए मूल्य का लाभ पेराई सत्र 2025-26 के गन्ने पर भी मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य की चार सहकारी चीनी मिलों से जुड़े 31 हजार से अधिक किसानों को लगभग 51.09 करोड़ का बोनस वितरित किया जाएगा।

राज्य सरकार ने गन्ना खरीदी दर बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल कर दी-देश के कुल गन्ना उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान भले ही कम है लेकिन गन्ना किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने में राज्य अब नंबर वन हो गया है। राज्य सरकार ने गन्ना खरीदी दर बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल कर दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले से छत्तीसगढ़ में गन्ने की खरीदी दर उत्तर प्रदेश,



हरियाणा और पंजाब जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों की तुलना में अधिक हो गई है। खास बात यह है कि बढ़ी हुई दर पेराई सत्र 2025-26 से ही लागू होगी। इस सत्र में पहले ही गन्ना बेच चुके किसानों को भी बढ़ी हुई दर के अनुसार भुगतान किया जाएगा।

किसानों को प्रति क्विंटल 70 रुपये अधिक मिलेंगे-सरकार के इस फैसले का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ गन्ने की खेती को अधिक लाभकारी बनाना है।राज्य में पहले गन्ने की खरीदी 355 रुपये प्रति क्विंटल की दर से होती थी। नई दर से किसानों को प्रति क्विंटल 70 रुपये अधिक मिलेंगे। गन्ना मूल्य में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है, जब खेती की लागत और किसानों की आमदनी के बीच संतुलन बनाना कृषि नीति की प्रमुख चुनौती है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में अगैती प्रजाति के गन्ने का राज्य परामर्श मूल्य (एसएपी) 400 रुपये प्रति क्विंटल, हरियाणा में 415 रुपये और पंजाब में 416 रुपये प्रति क्विंटल है। जबकि महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने का भुगतान केंद्र सरकार के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी), चीनी की रिकवरी और संबंधित मिलों की व्यवस्था के आधार पर निर्धारित होता है। केंद्र सरकार ने 2026-27 के लिए 10.25 प्रतिशत चीनी रिकवरी पर एफआरपी 365 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है।

किसानों की आय बढ़ाने पर जोर-मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य दिलाना तथा खेती को सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका बनाना है। गन्ना खरीदी दर में वृद्धि इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रति क्विंटल 70 रुपये की बढ़ोतरी से किसानों को उनकी कुल बिक्री के अनुपात में अतिरिक्त आमदनी मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर

पटवारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच भूमिपूजन कार्यक्रम में पटवारी की मौजूदगी, कार्यशैली पर उठे सवाल !



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर जिला पटवारी संघ गांधी मैदान गरियाबंद में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। इस आंदोलन के चलते राजस्व संबंधी कार्यों के लिए आम नागरिकों और किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच नगर पालिका परिषद गरियाबंद द्वारा आयोजित विकास कार्यों के भूमि पूजन कार्यक्रम में पटवारी लोकेश साहू की मौजूदगी ने एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है। कार्यक्रम की तस्वीर में पटवारी लोकेश साहू की मौजूदगी सामने आने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि जब पटवारी संघ अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत है और आम जनता अपने जरूरी राजस्व कार्यों के लिए भटक रही है, तब संबंधित पटवारी की सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी को किस नजरिए से देखा जाए?

सवाल यह नहीं कि भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होना गलत है या सही, बल्कि सवाल यह है कि जब जनता के काम प्रभावित हो रहे हों, तब जनता के प्रति जवाबदेही और प्राथमिकताओं पर चर्चा क्यों न हो?

जनता के काम ठप, लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थिति पर चर्चा!

किसानों को जमीन संबंधी दस्तावेजों, नामांतरण, सीमांकन और अन्य राजस्व कार्यों की आवश्यकता होती है। ऐसे कार्यों में देरी का असर आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतों और आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में पटवारी संघ के आंदोलन के बीच किसी पटवारी की सार्वजनिक कार्यक्रमों में मौजूदगी स्वाभाविक रूप से जवाबदेही का प्रश्न खड़ा करती है।

जनता दफ्तरों के चक्कर काटे, साहब कार्यक्रमों में नजर आएं!

विडंबना देखिए कि आम नागरिक अपने जरूरी कामों के लिए परेशान हों, किसान राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान की बाट जोहें और दूसरी तरफ सार्वजनिक आयोजनों में अधिकारियों-कर्मचारियों की मौजूदगी चर्चा का विषय बने!

आखिर जनता को राहत कब मिलेगी? आंदोलन की मांगों के बीच आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान कौन करेगा? और क्या पटवारी संघ जनता की परेशानी को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल कर रहा है?

इन सवालों का जवाब पटवारी संघ और संबंधित विभाग से अपेक्षित है।

निष्कर्षतः, कर्मचारी संगठनों को अपनी मांगों के लिए आंदोलन करने का अधिकार है, लेकिन जनता की परेशानी और शासकीय सेवाओं की जवाबदेही का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नगर पालिका के भूमि पूजन कार्यक्रम में पटवारी की मौजूदगी की तस्वीर ने इसी सवाल को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है—आखिर जनता के काम कब होंगे और उनकी परेशानी का जवाबदेह कौन होगा?

गांड़ा समाज के झरिया घटक के युवाओं ने उठाया गया सराहनीय कदम



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गरियाबंद के सर्कल आमदी (द) के आश्रित ग्राम भीरालाट में 16 अक्तूबर शुक्रवार को गांड़ा समाज के झरिया घटक के युवाओं द्वारा उठाया सराहनीय और प्रेरणादायक कदम उठाया गया। जिसमे विशेष अतिथि मूल छत्तीसगढ़िया सर्व गाँड़ा समाज के प्रमुख प्रदेश युवा अध्यक्ष अर्जित कुलदीप एवं रायपुर संभाग युवा अध्यक्ष गौकरण चालकी का गरिमामयी उपस्थिति में युवाओं को संदेश दिया गया।

जिसमें समाज को एक मंच पर लाने तथा सामाजिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने कि आवश्यकताओं पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में झरिया घटक गरियाबंद जिला युवाओं की उपस्थिती रही एवं विशेष सहयोग मनोज नेताम, कृष्णा नेताम, रामसुन्दर देववंशी, रोहित नेताम, निर्मल नागेश, भुवन देववंशी (सर्कल आमदी द), सुरेश टांडिया, टुवेन्द्र सुरजाल (सर्कल परसुली), चुम्मन नागेश, संतलाल सोनवानी, गुलाब सोनवानी (सर्कल आमागांव), युवा अध्यक्ष द्रविण नेताम, सचिव नवीन नेताम, सदस्य सेवा प्रधान, डागेश देववंशी, पवन नागेश, शिवराज सोनवानी, चंद्रशेखर, डमरूधर, शुभम, सोभियत, डायमण्ड, दुलेश्वर, सेवन नेताम, जुम्मन, टंकेश्वर, घनश्याम नेताम उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कर्रानाला बैराज का निरीक्षण



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा क्षेत्र स्थित कर्रानाला बैराज मध्यम परियोजना का मानसून पश्चात निरीक्षण किया गया। इस दौरान बैराज की मुख्य संरचनाओं, जल प्रवाह व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर परियोजना की स्थिति की समीक्षा की गई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सूतियापाट उप संभाग क्रमांक-1, सहसपुर लोहारा के अनुविभागीय अधिकारी श्री सागर प्रसाद वर्मा एवं उप अभियंता श्री जय प्रकाश ने बैराज का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मानसून के बाद परियोजना की संरचनात्मक स्थिति और जल प्रवाह व्यवस्था का अवलोकन करते हुए जल प्रबंधन एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने उनके साथ संवाद कर जल प्रबंधन और सुरक्षा उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर स्थानीय लोगों की सहभागिता से परियोजना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय परियोजनाओं का निरीक्षण कर उनकी स्थिति की समीक्षा करने के साथ जनभागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक महत्व की परियोजनाओं के बेहतर प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी तथा शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करना है।

नवजीवन क्लब के तत्वाधान में झांकियों के साथ हाईस्कूल में किया जाएगा रावण दहन



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। नवजीवन क्लब के तत्वाधान में लोरमी नगर के हाईस्कूल मैदान में रावण दहन का आयोजन किया जायेगा आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति जुट गयी है।

विजयदशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। नवजीवन क्लब दशहरा उत्सव समिति के सदस्यों ने तैयारियां प्रारंभ कर दी है। कारीगरों के द्वारा रावण का पुतला बनाया जा रहा है। समिति के सदस्य नरेन्द्र खत्री व जितेन्द्र पाठक ने बताया कि इस हर वर्ष की प्रति तरह से वर्ष भी रावण का पुतला करीब 30 से 35 फीट का बनाया जायेगा। नवमी के दूसरे दिन दशहरे के दिन नवजीवन क्लब दशहरा समिति द्वारा लोरमी में कई सालों से बड़े से बड़े आयोजन करते आ रही है। भव्य झांकीयों के साथ हाईस्कूल मैदान में रावण का पुतला दहन किया जाता है। समिति के द्वारा चलित व मूर्तिकार झांकी बनवाकर पूरे लोरमी में भ्रमण करते हुए हाईस्कूल तक जाती है जहाँ हजारों की संख्या में रात भर लोग आयोजन को देखने के लिए पहुंचते हैं। नवजीवन क्लब के द्वारा भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान सेना और रावण सेना की झांकी के साथ नगर के मुख्य मार्ग महामाया मार्ग से होते हुए हाईस्कूल मैदान पर पहुंचती है। रावण दहन के बाद समस्त लोरमीवासी सोनपत्ती देकर एक दूसरे के साथ गले मिलते और बधाई देते है। आयोजन को सफल बनाने के लिए नरेन्द्र खत्री, जितेन्द्र पाठक, अमित दुबे, विश्वास दुबे, प्रशांत शर्मा, अभिषेक पाठक, आवेश द्विवेदी, देवी जायसवाल, समीर पाठक, आकाश केशरवानी, योगेश खत्री, यतीन्द्र खत्री, लक्ष्मी खत्री, जितेन्द्र खत्री, अंश पाठक, दीपक नामदेव, मोनू यादव, दीपक जायसवाल (इट्टी) प्रेम यादव, मनीष जायसवाल, निक्कू जायसवाल , अनिल गुप्ता, पवन गुप्ता, राजेश जायसवाल, लक्ष्मी नारायण यादव, सहित समिति के सदस्य जुटे हुए हैं। वही रावण निर्माण संजू कश्यप, बंटी साहू, रिंकू यादव के द्वारा किया जा रहा है।

ग्राम कुरुद में विधायक रोहित साहू ने की सीसी रोड हाईमास्ट लाइट और भवन निर्माण की घोषणा

बिजली के मुद्दे पर कांग्रेस पर साधा निशाना



गरियाबंद/कोपरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्राम पंचायत कुरुद में शुक्रवार को शीतला मंदिर चौक पर लाखों रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं जीर्णोद्धार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा एवं शीतला माता की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद मंचीय कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। अतिथियों को श्रीफल और गमछा भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विकास, शिक्षा, जनकल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्र की आवश्यकताओं पर चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने, महतारी वंदन योजना के जरिए महिलाओं को आर्थिक सहायता देने तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने महतारी वंदन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि योजना के तहत पात्र महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है। सरकार आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखकर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को सौर ऊर्जा का लाभ मिल सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी दें और उन्हें लाभ दिलाने में सहयोग करें।

विधायक ने बिजली बिल के मुद्दे पर कांग्रेस पर राजनीतिक बयानबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ऊर्जा के क्षेत्र में नए विकल्पों को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराना और गांवों को मजबूत बनाना है। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में पानी की टंकी, सीसी रोड सहित विभिन्न विकास कार्यों का भी उल्लेख किया।

मांगों पर की कई घोषणाएं

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की मांगों पर विधायक रोहित साहू ने विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की। इनमें सीसी रोड निर्माण, शीतला मंदिर से गायत्री मंदिर होते हुए बजरंग पाठ स्थल तक सड़क निर्माण की मांग पर आगामी समय में कार्य कराने का आश्वासन शामिल रहा। इसके साथ ही गांव में तीन हाईमास्ट लाइट लगाने के लिए तीन लाख रुपये, सर्व समाज भवन और सांस्कृतिक मंच भवन निर्माण की घोषणा की गई। सेवा समितियों के लिए पांच-पांच हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा भी की गई। इन घोषणाओं से ग्रामीणों में विकास कार्यों को लेकर उम्मीद जगी है।

नवरात्रि में शक्ति, सेवा और संस्कार का संदेश

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला पंचायत गरियाबंद की वन सभापति शिवांगी चतुर्वेदी ने नवरात्रि पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि नवरात्रि मां दुर्गा की आराधना, शक्ति, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का पर्व है। यह पर्व हमें समाज में एकता, सेवा और सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने ग्रामीणों से धार्मिक परंपराओं के साथ शिक्षा, सामाजिक विकास और जनकल्याण के कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

गांधी मैदान में रास गरबा की धूम, मां दुर्गा की आराधना में झूम रहे श्रद्धालु



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गांधी मैदान गरियाबंद में श्री सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित पांच दिवसीय रास गरबा उत्सव के दूसरे दिन भी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। मां दुर्गा की आराधना और पारंपरिक गरबा नृत्य के बीच पूरा परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नगरवासियों ने उत्सव में शामिल होकर धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू शामिल हुए। उन्होंने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही

आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना भी की। इस दौरान समिति की मांग पर रंगमंच के समीप ज्योति कक्ष एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए स्टीमेट के अनुसार राशि प्रदान करने की घोषणा की।

धार्मिक आस्था और परंपरा का संगम

विधायक रोहित साहू ने कहा कि रास गरबा केवल नृत्य का आयोजन नहीं, बल्कि मां दुर्गा की आराधना और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का माध्यम है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा मां दुर्गा से सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कक्ष निर्माण के लिए राशि देने की घोषणा

उत्सव के दौरान समिति ने रंगमंच के समीप ज्योति कक्ष और अतिरिक्त कक्ष निर्माण की आवश्यकता से विधायक को अवगत कराया। इस पर विधायक ने स्टीमेट के अनुसार निर्माण कार्य के लिए राशि प्रदान करने की घोषणा की। इससे धार्मिक गतिविधियों और आगामी आयोजनों के लिए सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद है। इसके अलावा कार्यक्रम में पूर्व विधायक अमितेश शुक्ला, कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा भी शामिल हुए। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, नगर पंचायत अध्यक्ष रिखी यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा पारस ठाकुर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके, जिला महामंत्री आशीष शर्मा, पार्षद बिंदु सिन्हा, पार्षद पुष्पा साहू, कुलेश्वर सोनवानी, युवराज साहू, पार्षद सूरज सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन में समिति के मनोज खरे, प्रकाश रोहरा, संदीप सरकार, संजीव साहू, नारायण सारथी, तरुण यदु, सागर मयाणी, ऐश्वर्या यदु, उत्तम सोनी, रितेश ताण्डी, गैदलाल सिन्हा, मुकेश पांडे, रमन कुकरेजा, भावेश सिन्हा, जालेश सेन और सहित सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

शुभमन गिल रणजी मुकाबले में सिर्फ एक रन बनाकर हुए आउट, बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज ने उड़ाया मिडिल स्टंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल के लिए आगामी न्यूजीलैंड का दौरा किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं रहने वाला है, जहां पर खेली जाने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज उनके लिए बतौर कप्तान और एक बल्लेबाज के रूप में काफी अहम रहेगी। शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के दौरे से पहले रणजी ट्रॉफी 2026-27 के जारी सीजन में पंजाब और छत्तीसगढ़ के बीच मुकाबले में खेलने का फैसला लिया था, ताकि रेड बॉल से अपनी तैयारियों को और भी पुख्ता किया जा सके। पंजाब और छत्तीसगढ़ के बीच में एलीट ग्रुप-बी का यह मुकाबला न्यू चंडीगढ़ के स्टेडियम खेला जा रहा है, जिसमें पंजाब की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था, जिसके बाद सभी की नजरें शुभमन गिल को लेकर थी लेकिन वह सिर्फ 5 गेंदों का सामना करने के बाद एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

पंजाब की टीम ने पहले दिन के पहले सेशन के खेल में जब अपनी पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए 65 के स्कोर पर दूसरा विकेट विहान मल्होत्रा के रूप में गंवाया तो



उसके बाद नंबर-4 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने उतरे शुभमन गिल से सभी को बड़ी पारी की उम्मीद थी, जिसमें उन्होंने अपना खाता भी खोल लिया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ के बाएं हाथ के 30 साल स्पिन गेंदबाज अजय मंडल की अंदर आती गेंद को शुभमन गिल खेलने में चूक कर बैठे जिसमें उन्होंने एक पैर आगे निकालकर गेंद को वहीं रोकने का प्रयास किया लेकिन उससे पहले गेंद गिल को चकमा देते उनके बैट और पैर के बीच में बने गैप से निकलते हुए सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। शुभमन गिल इसके बाद बिना पीछे मुड़े निराशा के साथ पवेलियन की तरफ चले गए।

पहली पारी में भले ही शुभमन गिल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए लेकिन उनके पास अभी दूसरी पारी में अपने बल्ले से कमाल दिखाने का मौका बाकी है, जिसमें यदि पंजाब की टीम इस मैच में दूसरी पारी में बैटिंग करने उतरती है तो गिल को खेलते हुए देखने का सभी फैंस को काफी बेसब्री से इंतजार होगा। ऐसे में गिल के पास खुद को न्यूजीलैंड दौरे से पहले परखने का यह आखिरी मौका रहने वाला है। शुभमन गिल आगामी दौरे पर टेस्ट सीरीज से पहले खेली जाने वाली 5 मैचों की वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में ही कप्तानी की जिम्मेदारी को संभालेंगे ताकि टेस्ट मैचों के लिए उनको थोड़ा तैयारी का मौका मिल सके, जिसमें उनकी गैरमौजूदगी में श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई की तरफ से आखिरी दो वनडे मैचों के लिए कप्तानी सौंपी गई है।

टीम इंडिया ने रद्द मुकाबले में बनाया अपनी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच में खेली गई 5 मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले को लेकर सभी की नजरें टिकी हुई थी, जो बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 17 अक्टूबर को खेला गया, लेकिन बारिश के चलते मुकाबला रद्द होने से सभी को काफी मायूसी हुई। इस मुकाबले को लेकर शुरू से बारिश की संभावना जताई गई थी, जिसमें देरी से मुकाबला जब शुरू हुआ तो इसे 9-9 ओवर्स का कराने का फैसला लिया गया जिसमें टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की पारी के 7.4 ओवर्स बाद फिर से बारिश आने की वजह से मुकाबले को रोक दिया गया था, जिसके बाद अंपायर्स ने हालात देखते हुए मैच को रद्दा करना बेहतर समझा। वहीं इस मुकाबले में टीम इंडिया ने टी20 इंटरनेशनल में अपनी सबसे तेज फिफ्टी पूरा करने का नया रिकॉर्ड बना दिया। बेंगलुरु टी20 मैच में टॉस हारने के बाद जब भारतीय टीम बल्लेबाजी करने उतरी तो शुरू से ही आक्रामक बल्लेबाजी देखने को मिल रही थी, जिसमें टीम इंडिया ने सिर्फ 2.5 ओवर्स यानी 17 गेंदों में ही अपना स्कोर 50 रनों के पार पहुंचा दिया। इसी के साथ यह



भारतीय टीम का टी20 इंटरनेशनल में अभी तक सबसे तेज फिफ्टी पूरा करने का रिकॉर्ड भी बन गया। इससे पहले टीम इंडिया ने इसी सीरीज के चौथे मुकाबले में जो हैदराबाद के मैदान पर खेला गया था उसमें सिर्फ 18 गेंदों में पचास रनों का आंकड़ा पार किया था।

T20I में टीम इंडिया की टॉप-5 सबसे तेज फिफ्टी

बनाम वेस्टइंडीज - 17 गेंद (बेंगलुरु, साल 2026)
बनाम वेस्टइंडीज - 18 गेंद (हैदराबाद, साल 2026)
बनाम न्यूजीलैंड - 19 गेंद (गुवाहाटी, साल 2026)
बनाम पाकिस्तान - 20 गेंद (निशिन, साल 2026)
बनाम अफगानिस्तान - 21 गेंद (दिल्ली, साल 2026)

भारत-वेस्टइंडीज सीरीज में लगे कुल 105 छक्के

टी20 इंटरनेशनल में फुल मेंबर्स टीमों के बीच में खेली गई द्विपक्षीय टी20 सीरीज में भारत और वेस्टइंडीज के बीच में यह पांच मैचों की सीरीज सबसे ज्यादा छक्के लगने के मामले में चौथे नंबर पर रही। इस सीरीज में दोनों टीमों ने मिलकर कुल 105 सिक्स लगाए जिसमें यह भारत और वेस्टइंडीज के बीच में अभी तक खेली गई द्विपक्षीय टी20 सीरीज के मामले में सबसे ज्यादा है। इससे पहले साल 2019 में वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर खेली गई टी20 सीरीज में कुल 96 छक्के लगे थे।

बारिश के चलते पांचवां टी20 मैच हुआ रद्द सीरीज 2-2 की बराबरी पर हुई खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की टी20 सीरीज का पांचवां मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया जो बारिश के खलल की वजह से रद्द कर दिया गया है। बारिश के खलल की वजह से यह मुकाबला काफी देर से शुरू हुआ जिसमें इसे 9-9 ओवर्स का कराने का फैसला लिया गया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की पारी के 7.4 ओवर्स के बाद बारिश आने की वजह से अंपायर्स ने खेल को रोक दिया जिसके बाद उन्होंने मुकाबले को रद्द करने का फैसला लिया, जिसके चलते यह सीरीज अब 2-2 की बराबरी पर खत्म हो गई।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टी20 मैच के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड में एक बदलाव किया गया था, जिसमें अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया गया, जिनको अब आखिरी टी20 मैच के लिए प्लेइंग 11 में शामिल किया गया लेकिन बारिश के खलल की वजह से मुकाबला रद्द होने की वजह से उनको गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में उनके प्रदर्शन को लेकर सभी की नजरें रहने वाली हैं। वेस्टइंडीज टीम के कप्तान शे होप के लिए भारत का यह दौरा काफी यादगार रहा है, जिसमें तीन मैचों की वनडे सीरीज में उनके बल्ले से दो शतकीय पारियां देखने को मिली तो वहीं टी20 सीरीज में भी वह दो शतकीय पारियां खेलने में कामयाब रहे। शे होप ने अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर टी20 सीरीज के दो मैचों में वेस्टइंडीज टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी, जिसमें वह इस सीरीज में कुल 261 रन बनाने में कामयाब रहे।

पांचवें टी20 मैच के लिए प्लेइंग 11

भारत - अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नमन धीर, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह।

ब्रेंडन टेलर ने एंडी फ्लावर को पीछे छोड़ा

वनडे में जिम्बाब्वे के लिए बने सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएई में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के बीच में 17 अक्टूबर से वनडे ट्राई सीरीज का आगाज हो चुका है, जिसका पहला मुकाबला अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में बांग्लादेश और जिम्बाब्वे की टीम के बीच में खेला गया। इस मुकाबले में पूरी तरह से जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम का दबदबा बल्ले और गेंद दोनों से देखने को मिला जिसमें उन्होंने जहां पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर्स में 8 विकेट के नुकसान पर 271 रनों का स्कोर बनाया तो वहीं बांग्लादेश की टीम को 172 रनों के स्कोर पर समेटने में कामयाब रही। इस मैच में जिम्बाब्वे टीम के अनुभवी खिलाड़ी ब्रेंडन टेलर अपनी 81 रनों की बेहतरीन पारी के दम पर अब वनडे फॉर्मेट में एंडी फ्लावर को पीछे छोड़ने के साथ जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

ब्रेंडन टेलर जिनकी गिनती जिम्बाब्वे क्रिकेट के बेहतरीन बल्लेबाजों में की जाती है उनका अब तक वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। ब्रेंडन टेलर ने सिर्फ 211 मैचों में एंडी फ्लावर को पीछे छोड़ने के साथ जिम्बाब्वे के लिए वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी की कुर्सी को हासिल किया है। ब्रेंडन टेलर ने अब तक 211 वनडे मैचों की 209 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 35.24 के औसत से 6837 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 11 शतकीय और 40 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिली हैं। वहीं एंडी फ्लावर को लेकर बात की



जाए जिनकी गिनती वर्ल्ड क्रिकेट के बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाजों में की जाती है उन्होंने वनडे में 213 मुकाबलों में खेलते हुए 208 पारियों में बल्लेबाजी की और 74.59 के औसत से 6786 रन बनाने में कामयाब हुए थे, जिसमें फ्लावर ने 4 शतकीय और 55 अर्धशतकीय खेली थी।

जिम्बाब्वे के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी

ब्रेंडन टेलर - 6837 रन
एंडी फ्लावर - 6786 रन
ग्रांट फ्लावर - 6571 रन
हेमिल्टन मसाकाद्जा - 5658 रन
सीन विलियम्स - 5217 रन

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे की तरफ से उनके तेज गेंदबाज ब्रैंड इवांस का गेंद से कमाल देखने को मिला जिन्होंने 6.4 ओवर्स में 45 रन देने के साथ 4 विकेट हासिल किए तो वहीं इसके अलावा ब्लेसिंग मुजरबानी, कप्तान सिकंदर रजा और वेलिंग्टन मसाकाद्जा भी 2-2 विकेट लेने में कामयाब रहे।

व्यापार

SBI लगातार दूसरे साल बना विश्व का सर्वश्रेष्ठ कंज्यूमर बैंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) को ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन ने लगातार दूसरे साल 'World's Best Consumer Bank 2026' पुरस्कार से सम्मानित किया है। देश के सबसे बड़े लेंडर एसबीआई ने एक बयान में कहा कि ये सम्मान डिजिटल इनोवेशन, बेहतर सर्विस और ओवरऑल डेवलपमेंट के प्रति प्रतिबद्धता के जरिए कस्टमर-सेंट्रिक बैंकिंग में ग्लोबल स्टैंडर्ड्स स्थापित करने की उसकी लगातार सफलता को दर्शाता है।

बताते चलें कि भारतीय स्टेट बैंक को ये पुरस्कार थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में इंटनरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) की सालाना मीटिंग से इतर आयोजित किए गए कार्यक्रम में प्रदान किया गया। इस मौके पर भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने कहा



कि बैंक में जारी बदलावों, खासकर डिजिटल सेक्टर में की जा रही कोशिशों का उद्देश्य बड़े पैमाने पर लोगों को भरोसेमंद डिजिटल सर्विस उपलब्ध कराना है।

बैंकिंग सर्विस को व्यक्तिगत जरूरतों के हिसाब से आसान और भरोसेमंद बनाने पर फोकस

सी. एस. शेट्टी ने कहा कि डिजिटल क्षमताओं में सुधार होने से बैंक ज्यादा लोगों तक पहुंचने और उन्हें तेजी से सेवाएं देने में सक्षम हुआ है। चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने कहा कि बैंक के कर्मचारी ये सुनिश्चित करते हैं कि बैंकिंग सर्विस व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप आसान और भरोसेमंद बनी रहें। इस दौरान बैंक ने नया योनो प्लेटफॉर्म शुरू किया।

10 करोड़ के पार पहुंची योनो मोबाइल ऐप पर रजिस्टर्ड यूजर्स की संख्या

एसबीआई चेयरमैन ने बताया कि एसबीआई के योनो मोबाइल ऐप पर रजिस्टर्ड यूजर्स की संख्या 10 करोड़ के पार पहुंच गई है। इसके अलावा, बैंक ने एआई आधारित कस्टमर सर्विस और व्यक्तिगत जरूरतों के हिसाब से डिजिटल सुविधाएं भी शुरू कीं। एसबीआई ने देशभर में 300 से ज्यादा नई ब्रांच खोलकर अपनी पहुंच का भी विस्तार किया है।

एसबीआई अगले महीने जारी करेगी दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे

बताते चलें कि भारतीय स्टेट बैंक नवंबर में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी करेगा। एसबीआई ने पहली तिमाही में अपने स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर (YoY) 10% की बढ़ोतरी दर्ज की थी, जो 21,121 करोड़ रुपये रही। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एसबीआई का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 19,160 करोड़ रुपये था।

70% तक सस्ती होंगी कैंसर की दवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रग प्राइस रेगुलेटर NPPA ने शनिवार को कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 137 गैर-अनुसूचित दवाओं के व्यापार मार्जिन को 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। आधिकारिक बयान में ये जानकारी दी गई। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये फैसला 9 नवंबर से प्रभावी होगा। इस फैसले से इन जीवनरक्षक दवाओं की खुदरा कीमतें मौजूदा मूल्य संरचना के आधार पर 70 प्रतिशत तक घटने की उम्मीद है। NPPA राजपत्र अधिसूचना जारी होने के बाद औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुच्छेद 19 के तहत TMR लागू किया

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने शनिवार को राजपत्र अधिसूचना जारी होने के बाद औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुच्छेद 19 के तहत व्यापार मार्जिन युक्तिकरण (TMR) व्यवस्था लागू की है। एनपीपीए औषधि विभाग के तहत काम करता है। मंत्रालय के अनुसार, ये कदम स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (DGHS) के तहत गठित की गई एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर आधारित है। इस समिति में देशभर के प्रमुख कैंसर एक्सपर्ट, मेडिकल एक्सपर्ट, अस्पतालों के



प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी शामिल थे।

समिति ने व्यापार मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए की थी 137 दवाओं की सिफारिश

समिति ने व्यापार मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए 137 दवाओं की सिफारिश की थी। इस लिस्ट को जरूरत के हिसाब से समय-समय पर अपडेट भी किया जाएगा। ये पहल एनपीपीए की 2019 की प्रायोगिक योजना पर आधारित है। उस समय कैंसर की 42 दवाओं पर व्यापार मार्जिन 30 प्रतिशत तय किया गया था। इसके परिणामस्वरूप 526 ब्रांड की दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) में 90 प्रतिशत तक की कमी आई थी।

खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को 9 नवंबर से नए संशोधित रेट पर ही दवाएं बेचनी होंगी

मंत्रालय ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत अब कहीं ज्यादा संख्या में कैंसर की दवाओं को शामिल किया गया है। दवा कंपनियों को नई अपडेटेड प्राइस लिस्ट अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पब्लिश करने और खुदरा विक्रेताओं तथा अस्पतालों तक इसकी जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को 9 नवंबर से नए संशोधित रेट पर ही दवाएं बेचनी होंगी और अपनी फार्मेसी में नई कीमतों को प्रदर्शित करना होगा।

क्या होता है व्यापार मार्जिन

किसी दवा को बनाने में होने वाले पूरे खर्च और मरीज द्वारा चुकाए जाने वाले MRP के बीच के अंतर को व्यापार मार्जिन कहते हैं। ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए अस्पताल, डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलर व्यापार मार्जिन बहुत ज्यादा बढ़ा देते हैं, जिससे दवाइयां बहुत ही ज्यादा महंगी हो जाती हैं। सरकार ने अब इसे अधिकतम 30% पर फिक्स कर दिया गया है। यानी अब कोई भी अस्पताल, डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलर कैंसर की दवाओं पर 30 प्रतिशत से ज्यादा मुनाफा नहीं कमा सकते हैं।

रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश ही खरीद रहे रूसी तेल से तैयार ईंधन, भारत समेत 3 देशों का निर्यात 43% बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के कच्चे तेल से तैयार हुए तेल उत्पादों का पश्चिमी देशों को निर्यात सितंबर में 43 प्रतिशत बढ़कर 1 अरब यूरो (करीब 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर) पर पहुंच गया। इस दौरान भारत और 2 अन्य देश की रिफाइनरियों ने रूस के कच्चे तेल की प्रोसेसिंग को जारी रखा और पश्चिम देशों को किए जाने वाले निर्यात में भी बंपर बढ़ोतरी की। खास बात ये है कि ये निर्यात उन देशों को हुआ है, जिन्होंने रूसी कच्चे तेल से बने फ्यूल पर प्रतिबंध लगा रखा है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) की एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

यूरोपीय संघ के बंदरगाह पहुंचे 7 में से 6 मालवाहक जहाजों को जामनगर रिफाइनरी ने की फ्यूल की सप्लाई

रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी ने सितंबर में यूरोपीय संघ (ईयू) के बंदरगाह पर पहुंचे 7 में से 6 मालवाहक जहाजों को फ्यूल की सप्लाई की। ये आपूर्ति ऐसे समय हुई, जब यूरोपीय संघ ने रूसी कच्चे तेल से तैयार तेल उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा रखा है।

रूसी कच्चे तेल की प्रोसेसिंग करती हैं भारत, तुर्किये और ब्रुनेई की रिफाइनरी

CREA की रिपोर्ट में भारत, तुर्किये और ब्रुनेई की उन रिफाइनरियों से हुए निर्यात का आकलन किया गया है, जो रूसी कच्चे तेल की प्रोसेसिंग



करती हैं। इन देशों की रिफाइनरी से यूरोपीय संघ ने 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो, अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो और न्यूजीलैंड ने 1.9 करोड़ यूरो के तेल उत्पाद खरीदे। संगठन के अनुमान के मुताबिक, इन उत्पादों में 29.5 करोड़ यूरो मूल्य के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे।

जामनगर रिफाइनरी ने अमेरिका को भी सबसे ज्यादा मूल्य का निर्यात किया

रिपोर्ट के मुताबिक, जामनगर रिफाइनरी ने अमेरिका को भी सबसे ज्यादा मूल्य का निर्यात किया गया, जिसकी कीमत 12.2 करोड़ यूरो थी। जुलाई से सितंबर के दौरान रिफाइनरी के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत रही। यूरोपीय संघ को भेजे गए 7 मालवाहक जहाज में से 3 इटली, 2 रोमानिया और 1-1 स्पेन तथा साइप्रस पहुंचे।

सितंबर में 80 प्रतिशत बढ़ा निर्यात का मूल्य

रूसी कच्चे तेल की प्रोसेसिंग करने वाली रिफाइनरियों से यूरोपीय संघ के बंदरगाहों के लिए घोषित निर्यात का मूल्य अगस्त की तुलना में सितंबर में 80 प्रतिशत बढ़ा। इसमें जामनगर रिफाइनरी से भेजा गया 1.04 लाख टन डीजल का एक जहाज भी शामिल है, जो अभी रॉटरडैम के रास्ते में था। यूरोपीय संघ ने जनवरी, 2026 में रूसी कच्चे तेल से तैयार तेल उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लागू किया था।

शुद्ध कच्चा तेल निर्यातक देशों को प्रतिबंध से छूट

हालांकि, शुद्ध कच्चा तेल निर्यातक देशों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। सीआरईए का कहना है कि इस छूट से नियमों में एक खामी रह जाती है, क्योंकि किसी देश का शुद्ध तेल निर्यातक होना ये सुनिश्चित नहीं करता कि उसकी रिफाइनरी रूसी कच्चे तेल की प्रोसेसिंग नहीं करेंगी। संगठन ने सुझाव दिया है कि प्रतिबंध देश के बजाय रिफाइनरी के स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। इसके तहत पिछले 6 महीनों में रूसी कच्चे तेल की प्रोसेसिंग करने वाली किसी भी रिफाइनरी से तैयार तेल उत्पादों के आयात पर रोक लगाने की सिफारिश की गई है, चाहे उत्पाद का घोषित मूल देश कुछ भी हो।

भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात सितंबर में 13 प्रतिशत घटा

सीआरईए के अनुसार, भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात सितंबर में 13 प्रतिशत घट गया। ये लगातार दूसरी मासिक गिरावट थी और अप्रैल के बाद सबसे निचला स्तर था। देश की तीन सबसे बड़ी रूसी तेल आयातक रिफाइनरी इकाइयों में भी आयात कम हुआ। जामनगर में 27 प्रतिशत, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की पारादीप रिफाइनरी में 21 प्रतिशत और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

पारंपरिक वस्तुओं से सजा बालकोनगर का दुर्गा पूजा पंडाल, अतीत की यादों को करेगा जीवंत



बालकोनगर (दैनंदिनी)। नवरात्रि के पावन अवसर पर बालकोनगर के सेक्टर-3 स्थित दुर्गा पंडाल में मां आदिशक्ति की प्रतिमा की स्थापना हर्षोल्लास और भव्यता के साथ की गई। पूजा का शुभारंभ बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक श्री राजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बालको परिवार के सदस्यों के साथ मां दुर्गा की आराधना कर कंपनी और क्षेत्र की निरंतर प्रगति एवं समृद्धि की कामना की।

56 वर्षों से आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक रहा बालकोनगर का सार्वजनिक दुर्गा पूजा उत्सव एक बार फिर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना है। बालको सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय उत्सव में मां दुर्गा की आराधना के साथ इस वर्ष विशेष थीम के माध्यम से देश के अतीत और पारंपरिक जीवनशैली को दर्शाने का प्रयास किया गया है।

इस वर्ष पंडाल की थीम देश के उस दौर की याद दिलाती है, जब लोगों का जीवन सीमित संसाधनों और अनेक कठिनाइयों के बीच आगे बढ़ रहा था। पंडाल की आंतरिक सजावट में सूप, टोकरी, हाथ के पंखे, गमछे, बोरे और दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली अन्य पारंपरिक वस्तुओं को शामिल किया गया है। इन वस्तुओं के माध्यम से उस समय की सादगी, जीवनशैली और संघर्ष को दर्शाया गया है। यह थीम नई पीढ़ी को अतीत से जोड़ने के साथ हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने का अवसर प्रदान करती है।

बालकोनगर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका यह उत्सव हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। बालकोनगर और आसपास के क्षेत्रों से लोग मां दुर्गा के दर्शन करने और पंडाल की आकर्षक सजावट देखने पहुंचते हैं। यह आयोजन आस्था के साथ सामुदायिक एकता, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी मजबूत करता है।

दुर्गा पूजा उत्सव के अवसर पर बालको द्वारा पंडाल के समीप चार दिवसीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। इसमें बालको परिवार के सदस्यों द्वारा खींचे गए 280 से अधिक उत्कृष्ट छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इन तस्वीरों में बालकोनगर की खूबसूरती, प्रकृति के विविध रूपों, बादलों, बारिश, धरती और जीवन के विभिन्न रंगों को कैमरे के माध्यम से खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक तस्वीर प्रकृति और आसपास की दुनिया को देखने का एक अलग दृष्टिकोण सामने लाती है।

यह प्रदर्शनी बालको परिवार के सदस्यों को अपनी रचनात्मकता और फोटोग्राफी प्रतिभा साझा करने का मंच प्रदान करती है। साथ ही, यह बालकोनगर की प्राकृतिक सुंदरता और कंपनी से जुड़े लोगों की रचनात्मक सोच को सामने लाने का अवसर भी है।

दुर्गा पूजा उत्सव और फोटोग्राफी प्रदर्शनी का यह आयोजन बालकोनगर में आस्था, परंपरा, कला और सामुदायिक सहभागिता का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रहा है।

बढ़हुम में पीडीएस भवन का भूमिपूजन बरही में सरस्वती शिशु मंदिर का लोकार्पण

जनसेवक राकेश यादव की मौजूदगी में हुए कार्यक्रम





बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। बालोद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बढ़हुम में मंगलवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। वहीं, ग्राम बरही में सरस्वती शिशु मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। दोनों कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थिति रही। इन आयोजनों के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया गया।

ग्राम बढ़हुम में पीडीएस भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बालोद विधानसभा क्षेत्र के जनसेवक राकेश यादव शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य तेजराम साहू ने की। विशेष अतिथि के रूप में कृष्ण ठाकुर, आनंद शर्मा, मेघनाथ सलाम, सहदेव हिड़को और प्रभुराम कुरेटी उपस्थित रहे।इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच ब्रजलाल कांगे, उपसरपंच शीला यादव, रामाधार कुंजम, चतुर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। विधिवत भूमिपूजन के साथ पीडीएस भवन निर्माण कार्य की शुरुआत की गई।पीडीएस भवन का निर्माण होने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन वितरण की व्यवस्था को व्यवस्थित बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों को राशन संबंधी कार्यों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे भवन महत्वपूर्ण माने जाते हैं। भवन निर्माण पूरा होने के बाद स्थानीय स्तर पर राशन वितरण व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाने में सहायता मिल सकेगी।

ग्राम बरही में सरस्वती शिशु मंदिर के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बालोद विधानसभा क्षेत्र के जनसेवक एवं भाजपा जिला महामंत्री राकेश यादव शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू ने की।

विशेष अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बालोद की अध्यक्ष सरस्वती टेमरिया, उपाध्यक्ष दिनेश सिन्हा, भाजपा जिला मंत्री एवं मंडल प्रभारी प्रेम साहू, जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र देशमुख, करहीभदर भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र साहू, मंडल महामंत्री मनीष गांधी एवं प्रदीप साहू उपस्थित रहे।इसके अलावा मंडल मंत्री डोमन देवांगन, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष विनीता साहू, सेतुराम सांडिल्य, ग्राम बरही के ग्रामीण अध्यक्ष माखन साहू, पूर्व सरपंच डोमार सिन्हा, बूथ अध्यक्ष विमला सिन्हा और सरपंच कोमिन सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं ग्रामीण समारोह में शामिल हुए। अतिथियों की उपस्थिति में सरस्वती शिशु मंदिर भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के महत्व और ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विद्यालय भवन विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ग्रामीण विकास और शिक्षा को मिलेगी मजबूती

बालोद विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इन दोनों कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की भागीदारी रही। एक ओर बढ़हुम में पीडीएस भवन के भूमिपूजन से सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर बरही में सरस्वती शिशु मंदिर के लोकार्पण से शिक्षा के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने की संभावना है।

श्री राघव मंदिर में दुर्गाष्टमी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भव्य भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद





किरंदुल/ दंतेवाड़ा (दैनंदिनी ब्यूरो)। लौह नगरी किरंदुल में शारदीय नवरात्रि की दुर्गाष्टमी का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर बैलाडीला देवस्थान स्थित श्री राघव मंदिर में बैलाडीला देवस्थान सेवा समिति एवं गायत्री परिवार के तत्वावधान में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दुर्गाष्टमी के अवसर पर मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना और हवन संपन्न कराया गया। प्रधान पुजारी सत्येंद्र शुक्ला के हाथों पूजा-अर्चना की गई, जबकि सुधांशु वर्मा के करकमलों से पूजन एवं हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान श्रद्धालुओं ने माता जगदंबा की आराधना की और विश्व कल्याण की कामना की। मंत्रोच्चार और पूजा-पाठ से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए श्री राघव मंदिर में नौ कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान कन्याओं का पूजन कर उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को माता का स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक परंपराओं से जुड़े इस आयोजन ने नवरात्रि के पर्व की महत्ता को और बढ़ा दिया।

धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद एवं भोजन ग्रहण किया। सेवा समिति और गायत्री परिवार के इस आयोजन में श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सद्भाव की झलक देखने को मिली। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ धार्मिक आयोजनों में भाग लिया।

महिषासुर संहार की झाँकी ने मोहा दर्शकों का मन

बच्चों की शानदार प्रस्तुति पर झूम उठा महली



पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। नवरात्रि के पावन अवसर पर नौ दुर्गा समिति बैगा चौक महली द्वारा आयोजित भव्य झाँकी कार्यक्रम में बच्चों ने शानदार एवं आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। "ए दीना, ए दिया, ओ दिया दाई", "झूपत-झूपत आवे दाई" तथा "आमा पान के पटरी दाई, अरू हे कलसा दाई" जैसे भक्तिमय जसगीतों पर कलाकारों की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिषासुर संहार की झाँकी रही, जिसने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति, जीवंत अभिनय और शानदार मंचन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की इस दमदार प्रस्तुति को देखकर उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहना की। कार्यक्रम के दौरान दर्शक अंत तक झूमते रहे और माता रानी के जयकारों से पूरा पंडाल गूँज उठा।

इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं दर्शक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्याख्याता तुलस राम चंद्राकर का विशेष मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी कलाकारों को तुलस राम चंद्राकर द्वारा श्रीफल, लेखनी एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

नवरात्रि के इस आयोजन ने धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और बच्चों की प्रतिभा का सुंदर संगम प्रस्तुत किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान शिविर आयोजित, MY Bharat स्वयंसेवक की सहभागिता



सहसपुर लोहारा (दैनंदिनी ब्यूरो)। युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और मानव सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय कबीरधाम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर लोहारा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित युवाओं ने सहभागिता निभाई।

शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रक्तदान के महत्व से अवगत कराना, स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग देना था। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को रक्तदान के माध्यम से मानव जीवन बचाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर MY Bharat जिला युवा अधिकारी श्री राज पटेल सर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (NYV) दानेश्वर पटेल ने संगठन की ओर से सक्रिय सहभागिता निभाते हुए स्वयं रक्तदान किया। उनके मित्र एवं सहयोगी धनऊ कुमार ने भी कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

स्वयंसेवकों की इस पहल ने युवाओं को सामाजिक कार्यों में आगे आने और जनहित के अभियानों में भागीदारी निभाने का संदेश दिया।

आयोजित शिविर में महाविद्यालय के 9 छात्र-छात्राओं तथा एक भूतपूर्व छात्र सहित कुल 10 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही उनके हीमोग्लोबिन स्तर और रक्त समूह की जांच कर आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई गई।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. मोना बर्मन, संदीप कुमार सोनकर, अन्य प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, रेडक्रॉस इकाई के स्वयंसेवक तथा स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सकीय टीम उपस्थित रही।

शिविर के माध्यम से रक्तदान को मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए युवाओं से जरूरतमंदों की सहायता के लिए स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई।

देवी पंडाल बने जनसमस्या निवारण के केंद्र, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों में बैठकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने नवरात्रि के पावन पर्व पर कबीरधाम जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर देवी पंडालों और मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने कल देर शाम ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। विशेष रूप से ग्राम मढ़मढ़ा में देवी पंडाल जनसमस्या निवारण के केंद्र के रूप में नजर आया, जहां उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों के समीप बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा कवर्धा ग्रामीण मंडल के ग्राम मढ़मढ़ा में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और पंडाल में ही ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने दैहान के पास 3 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, यादव समाज के सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 6 लाख 50 हजार रुपए, वीबी जीरामजी के अंतर्गत मुक्तिधाम में शेड निर्माण तथा पटेल समाज भवन में किचन शेड निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम के वार्ड क्रमांक 9 में 6 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण और दैहान के पास एक एचपी क्षमता का बोर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम की सड़कों के विकास के लिए 30 लाख रुपए के श्रममूलक कार्य तथा 15 लाख रुपए के मुरमीकरण कार्यों की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम मैनपुरी पहुंचकर दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन किए। उन्होंने पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

नेवरीगुड़ा में 36 देवी-देवताओं, 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धाम की आकर्षक झांकियों के किए दर्शन

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम नेवरीगुड़ा पहुंचकर नवरात्रि के अवसर पर स्थापित प्रसिद्ध मां दुर्गा पंडाल के दर्शन किए। इस पंडाल में छत्तीसगढ़ के 36 देवी-देवताओं, देश के 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धाम के साथ अयोध्या के भगवान श्रीराम तथा भगवान जगन्नाथ की आकर्षक झांकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने इन धार्मिक झांकियों का अवलोकन किया और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर ग्रामीणों की मांगों पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नेवरीगुड़ा में सिसरी घाट, मंदिर परिसर में यज्ञ स्थल निर्माण और मेला स्थल पर सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम दुल्लापुर में 2.60-2.60 लाख रुपए की लागत से दो सीसी सड़कों के निर्माण तथा शहीद नरेश शर्मा के स्मारक के पास 2 लाख रुपए की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण की घोषणा की। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं की भी जानकारी ली।

सूरजपुरा के प्रसिद्ध मां राजोदाई मंदिर में की पूजा-अर्चना

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अपने प्रवास के दौरान ग्राम सूरजपुरा स्थित प्रसिद्ध मां राजोदाई मंदिर पहुंचकर देवी दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं और ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्होंने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने ग्रामीण प्रवास के दौरान धार्मिक आयोजनों में सहभागिता के साथ जनसंपर्क को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने विभिन्न गांवों में नागरिकों से सीधे संवाद कर स्थानीय आवश्यकताओं और जनसमस्याओं की जानकारी ली। नवरात्रि के अवसर पर देवी दर्शन के साथ ग्रामीणों की मांगों के अनुरूप सड़क, सामुदायिक भवन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास की घोषणाएं इस प्रवास की प्रमुख गतिविधियां रहीं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मड़मड़ा में आंगनबाड़ी और अटल डिजिटल सेवा केंद्र का किया लोकार्पण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने शनिवार को कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम मड़मड़ा और कबरटोला का दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने ग्राम मड़मड़ा में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-01 और 5 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का लोकार्पण किया। साथ ही 47.15 लाख रुपए की लागत से बनने वाले 500 मीटर लंबे गौरव पथ का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने दोनों गांवों में सड़क, सामुदायिक भवन, मंच और नाली निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। ग्राम मड़मड़ा में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा की उपस्थिति में स्थानीय महिलाओं ने रिबन काटकर किया। नए भवन के निर्माण से बच्चों को बेहतर वातावरण में प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं आंगनबाड़ी की अन्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य श्री मनीराम साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशीराम धुर्वे, जनपद अध्यक्ष श्री रामकिंकर वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अटल डिजिटल सेवा केंद्र से गांव में ही मिलेंगी बैंकिंग सुविधाएं-उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम मड़मड़ा में 5 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का लोकार्पण किया। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण



महतारी वंदन योजना, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि निकाल सकेंगे। साथ ही राशि जमा करने जैसी बैंकिंग सुविधाओं का भी लाभ ले सकेंगे। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे बैंकिंग कार्यों के लिए शहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और उनके समय तथा आवागमन के खर्च की बचत होगी।

मड़मड़ा से बैजलपुर मुख्य मार्ग की मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से निर्माण की घोषणा-उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम मड़मड़ा में ग्रामीणों की मांग पर विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने मड़मड़ा से बैजलपुर मुख्य मार्ग को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माण एवं बाजार छपरी में 15 लाख रुपए, पटवारी भवन के पास 10 लाख रुपए तथा पुरानी सोसायटी के पास 6.50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की।

कबरटोला में देवी दर्शन कर नवधा रामायण में हुए शामिल-उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ग्राम कबरटोला में आयोजित दुर्गोत्सव एवं नवधा रामायण कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने देवी दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात दुर्गोत्सव समिति द्वारा आयोजित नवधा रामायण कार्यक्रम में शामिल होकर रामायण पाठ का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ रामधुन के भक्तिमय वातावरण में ग्रामीणों के साथ समय बिताया।रामायण पाठ के पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं और मांगें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, नाली, सामुदायिक भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित मांगें रखीं।

कबरटोला में 20.20 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा-उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम कबरटोला में 20.20 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की। इनमें पंचायत भवन के पास

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर बना जियोहॉटस्टार

» रायपुर के मैदान से पूरी दुनिया देखेगी राज्य के खिलाड़ियों का हुनर

» लाइव स्ट्रीमिंग से लीग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मिलेगी पहचान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के स्ट्रीमिंग पार्टनर जियोहॉटस्टार द्वारा लीग के सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। मैदान के साथ ही जियोहॉटस्टार पर लोगों को 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रोजाना शाम 5:30 बजे से विश्व स्तरीय हॉकी के 18 रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग भारत की पहली आधिकारिक राज्य हॉकी लीग है, जिसे हॉकी इंडिया से मान्यता मिली है। इसमें राज्य के छह शहरों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी शामिल होंगी। यह लीग एक लीग फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि फाइनल मैच 1 नवंबर 2026 को खेला जाएगा।

लीग में भारतीय हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जो मुख्य आकर्षण (मार्की खिलाड़ी) के रूप में रहेंगे। इनमें ओलंपियन सुरेंद्र कुमार, प्रदीप मोर, एस.वी. सुनील, ललित कुमार उपाध्याय, शमशेर और चिंगलेनसाना सिंह कंगुजाम जैसे नाम शामिल हैं, जो इन छह फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगे। पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ, छत्तीसगढ़ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग टूर्नामेंट के पहले दिन महिलाओं के लिए एक प्रदर्शनी मैच (एग्जीबिशन मैच) भी आयोजित करेगा, ताकि महिला हॉकी को बढ़ावा दिया जा सके। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती आकांक्षा शिक्षा खलखो ने बताया कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग भारतीय हॉकी के इतिहास में एक बेहद शानदार अध्याय की शुरुआत है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के खिलाड़ियों को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने का मौका देना है। लीग के सभी मैचों की जियोहॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीमिंग से लीग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। रायपुर के मैदान से राज्य के खिलाड़ियों का हुनर पूरी दुनिया देखेगी। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का लक्ष्य राज्य में हॉकी के माहौल को मजबूत करना, उभरते खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और राज्य में इस राष्ट्रीय खेल के निरंतर विकास में योगदान देना है। "चलो रे संगी हॉकी खेलबो" टैगलाइन के साथ यह लीग छत्तीसगढ़ की खेल पहचान, क्षेत्रीय गौरव और हॉकी में बढ़ती आकांक्षाओं को रेखांकित करेगी।

निजी मेडिकल कॉलेजों की मनमानी

रायपुर

पालकों ने निजी मेडिकल कॉलेजों पर हास्टल और ट्रांसपोर्ट के नाम पर हर साल दबावपूर्वक 4,50,000 रुपए से अधिक राशि वसूलने का आरोप लगाया है. इस संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव को पत्र सौंपा गया है.पालकों की ओर से निश्चिय बाजपेयी रायपुर प्रेस क्लब में मुद्दे पर पत्रकारों से रू-ब-रू हुए. पालकों ने बताया कि वर्ष 2022-23 से अचानक राशि बढ़ाई गई. नेशनल मेडिकल कमीशन और डीएमई के नियमों का उल्लंघन कर स्वैच्छिक सुविधा को छात्रों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है, जबकि इसकी राशि नो प्राफिट नो लास के आधार पर लेने का नियम है. पालकों की शिकायत के आधार पर पूर्व में प्रवेश तथा फीस नियामक समिति ने विषय की जांच कर छात्रों को राशि वापस करने और तीन निजी मेडिकल कालेजों पर 10 लाख रुपये का अर्थदण्ड लगाने की अनुशंसा की थी, जिसपर राज्य शासन ने आदेश जारी कर दिया। लेकिन निजी मेडिकल कालेजों ने एक वर्ष बीतने के बाद भी आदेश का पालन नहीं किया अपितु ने सत्र मे आए नवीन छात्रों से भी वैसी ही अवैध वसूली कर दी.पालकों ने बताया कि वर्तमान मे लगभग 3000 मेडिकल छात्र निजी मेडिकल कालेज में पढ़ रहे हैं. 4,50,000 रुपये प्रति छात्र प्रति वर्ष के हिसाब से पिछले तीन वर्षों मे लगभग 500 करोड़ रुपये की अवैध वसूली की गई है, जिसे ब्याज



सहित वापस करने का आदेश शासन ने किया है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष लगभग 150 करोड़ की अतिरिक्त अवैध वसूली और कर ली गई है. शासन के आदेशों के ऐसे खुले उल्लंघन, छात्रों का भविष्य खराब करने की धमकी, पालकों से दबावपूर्वक अवैध वसूली एक गंभीर अपराध है, जिसमें कुछ ब्लैकमेलर और दलाल किस्म के लोग सक्रिय हैं.



भाजयुमो नेता शुभांकर द्विवेदी गिरफ्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले भाजयुमो नेता शुभांकर द्विवेदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. उस पर पुलिस द्वारा जब्त डीजे वाहन को छुड़वाने के दौरान गुढ़ियारी थाना में तोड़फोड़ और टीआई से बदसलूकी का आरोप है. पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए उसके घर पर दबिश दी, हालांकि वह मौके से फरार हो गया था. गिरफ्तारी के बाद अब आरोपी को कोर्ट पेश करने की तैयारी है. गणेश पक्ष में निर्धारित समय-सीमा के बाद डीजे बजाने को लेकर पुलिस ने कार्रवाई की थी. डीजे वाहन को जब्त कर लिया गया, जिसे छुड़वाने के लिए भाजयुमो नेता शुभांकर द्विवेदी गुढ़ियारी थाना पहुंचा. आरोप है कि यहां कार्रवाई के विरोध में शुभांकर ने टीआई कक्ष में तोड़फोड़ की. साथ ही टीआई नरेंद्र साहू के साथ बदसलूकी की गई. इसके बाद पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने और तोड़फोड़ करने को लेकर आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है.

कांग्रेस ने गिरफ्तारी को लेकर किया था प्रदर्शन

इस घटनाक्रम के बाद शुभांकर द्विवेदी ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो जारी किए, जिसमें पुलिस के खिलाफ बयान दिए गए. मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने भी गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन किया. शहर कांग्रेस रायपुर के अध्यक्ष मेनन ने आरोपी के घर पर बुलडोजर कार्रवाई करने की भी मांग की. मामले में गुढ़ियारी थाना प्रभारी नरेंद्र साहू के साथ कथित दुर्व्यवहार सामने आया था. इस लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला को पत्र सौंपा था. संघ ने पूरे मामले की निष्पक्ष और तत्काल जांच कराने के साथ दोषियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की थी.

युवाओं से बड़ा छल, 57 हजार शिक्षक भर्ती के वादे के बीच 2582 शिक्षक घटे?

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश के डीएड, बीएड उत्तीर्ण अभ्यर्थियों तथा टीईटी पास बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा ने चुनाव के दौरान 57 हजार शिक्षकों की भर्ती का ढिंढोरा पीटा था, लेकिन सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार की ही UDISE + रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 2,582 शिक्षक कम हो गए हैं। साय सरकार रोजगार देने वाली नहीं, बल्कि रोजगार छीनने वाली सरकार साबित हो चुकी है। छत्तीसगढ़ के लाखों डीएड-बीएड पास बेरोजगार युवाओं की उम्मीदों पर विष्णुदेव साय सरकार ने पानी फेर दिया है। कांग्रेस पार्टी युवाओं के इस अधिकार की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि एकल-शिक्षक और शिक्षक-विहीन स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है।



भर्ती प्रक्रिया के नाम पर केवल समितियाँ गठित करने और बयानों का झुनझुना थमाने का काम हो रहा है, वित्तीय प्रावधान में कटौती की जा रही है। सालों से कोचिंग और तैयारी कर रहे लाखों बेरोजगार युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। स्कूली छात्र विशेषकर ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्र बस्तर, सरगुजा और मैदानी इलाकों के सरकारी स्कूलों में विषय-विशेषज्ञ शिक्षक न होने से शिक्षा का स्तर गिर रहा है। छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था पर साय सरकार का यह सर्जिकल स्ट्राइक है, युवाओं के साथ ऐतिहासिक धोखा कर रही है सरकार। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिंदी माध्यम विद्यालय योजना के तहत 20,000 से अधिक पद स्वीकृत कर रिकॉर्ड नियुक्तियाँ की गईं। 27,069 नियमित शिक्षक भर्ती (14,580 एवं 12,489 पद) प्रक्रिया को तेज गति से पूरा कर युवाओं को रोजगार और स्कूलों को शिक्षक दिए गए थे। भाजपा की सरकार आने के बाद स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल बदहाल हो गए, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ने के बजाय कम हो गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि केंद्र के ही रिपोर्ट कार्ड ने साय सरकार के शिक्षा विरोधी और युवा विरोधी चेहरे को नंगा कर दिया है। यू-डायस प्लस रिपोर्ट में वर्ष 2023-24 में छत्तीसगढ़ में कुल सरकारी शिक्षकों की संख्या 1,88,721 थी जो 2024-25 में 1,88,578 हो गई और 2025-26 में यह आंकड़ा घटकर 1,86,139 रह गया अर्थात दो साल में 2582 शिक्षक कम रह गए। आदिवासी और छत्तीसगढ़िया गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करने की साजिश की जा रही है। जब सरकारी स्कूलों में शिक्षक ही नहीं होंगे, तो गांव और गरीब के बच्चे आगे कैसे बढ़ेंगे? क्या साय सरकार जानबूझकर भर्ती प्रक्रिया को लटकाकर सरकारी शिक्षा तंत्र को कमजोर कर रही है ताकि निजी शिक्षा माफियाओं को फायदा पहुंचाया जा सके? यह सुशासन वाली सरकार नहीं, छत्तीसगढ़ के युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेलने वाली 'विश्वासघाती सरकार' है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को 31 अक्टूबर तक आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर दो कोर्स पूरे करने होंगे। इसमें राजपत्रित और अराजपत्रित दोनों श्रेणियों के कर्मचारी शामिल हैं। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को आदेश जारी किया है। अक्टूबर के लिए तय किए गए दो पाठ्यक्रम हैं - पहला 'कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन और दूसरा 'स्ट्रेस मैनेजमेंट-मेडिटेशन एंड योग निद्रा। ये दोनों कोर्स मिशन कर्मयोगी के तहत संचालित किए जा रहे हैं।

सूखे नशे और शराब के कारण प्रदेश के युवा बर्बाद हो रहे- कांग्रेस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सूखे नशे और शराब के कारण प्रदेश के युवा बर्बाद हो रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, प्रदेश नशे के कारोबार और अवैध शराब का गढ़ बन चुका है। प्रदेश के गांव-गांव, गली, कूचे में खुलेआम अवैध शराब बिक रही है। सरकारी अमला इस अवैध शराब बिक्री को खुला संरक्षण देता है। आबकारी मंत्री दावा करते है शराब के पैसे से सरकार चल रही है। इसीलिए सरकार ज्यादा से ज्यादा शराब बेचने में लगी है। मंत्री दयालदास बघेल स्वयं स्वीकार चुके है कि किसी आदमी के 1 बोतल शराब मिल जाये तो उसके खिलाफ पुलिस कार्यवाही कर देती है, शराब भट्ठी से पेटी-पेटी शराब लेकर खुलेआम बेची जा रही कार्यवाही नहीं होती है। मंत्री बघेल ने स्वीकार किया कि राज्य में अवैध शराब की बिक्री के लिए पुलिस विभाग और आबकारी विभाग दोनों जिम्मेदार है। राजधानी रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, अंबिकापुर, दुर्ग तो सूखे नशे की बिक्री का केंद्र बन गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार राज्य की जनता को शराबी बनाने पर तुली है। विपक्ष में रहकर शराबबंदी के लिए कसमें खाने वाली, शराबबंदी की दुहाई देने वाली भाजपा की सरकार ने राज्य में शराब की दुकानों की संख्या दुगुनी कर दिया है। राज्य में लगभग 700 देशी और अंग्रेजी शराब दुकाने थी। भाजपा सरकार ने हर देशी शराब दुकानों में अंग्रेजी तथा अंग्रेजी शराब दुकानों में देशी बेचना शुरू कर दिया है। मतलब अब देशी और अंग्रेजी शराब दुकानों की संख्या डबल 1400 हो गयी है। अर्थात अब प्रदेश में कुल 1400 शराब दुकाने खोल दी गयी है, इसके अतिरिक्त पिछले साल से 67 नई शराब दुकाने सरकार ने खोला था, इस साल 35 दुकान और खोला गया। भाजपा की जब रमन सरकारे थी तब उसी ने शराब का सरकारीकरण किया था। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है लगातार सरकार शराब की खपत बढ़ाने के प्रयास में लगी है। साय सरकार में शराब की कोचियागिरी बड़े पैमाने पर जारी है। नकली सरकारी होलोग्राम लगाकर शराब बेचा जा रहा है। राजनांदगांव, मुंगेली सहित प्रदेश के अनेकों स्थानों से लगातार खबरें आ रही है सरकारी शराब दुकानों से 200 रू. प्रति पेटी अतिरिक्त लेकर गली, मुहल्लों में कोचिये शराब पहुंचा रहे है। डोंगरगढ़ में बाटलिंग प्लांट यूनिट में पानी मिलाते रंगे हाथों पकड़े गये। दूसरे राज्यों की शराब बस्तर, सरगुजा सहित मैदानी क्षेत्रों में निर्बाध पहुंच रहे है।

छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट

रायपुर.छत्तीसगढ़ में अगले 4 दिनों तक दक्षिणी हिस्से में मौसम बदला हुआ रह सकता है। मौसम विभाग ने बालोद, धमतरी, गरियाबंद समेत 10 जिलों में हल्की बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, राजधानी रायपुर में तेज बारिश के आसार नहीं हैं। 18 अक्टूबर को आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और दोपहर या शाम के समय बादल छाने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण छत्तीसगढ़ में नमी पहुंच रही है। इसके असर से प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में हल्की बारिश हो सकती है। शनिवार को भी प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश दर्ज की गई। शनिवार को जशपुर जिले के पत्थलगांव और कुनकुरी में 3-3 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ में 1 सेंटीमीटर बारिश हुई। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रहा। रायपुर में शनिवार को अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री ज्यादा रहा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मां काली और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज शाम राजधानी रायपुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर, कालीबाड़ी एवं दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से मां काली एवं मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने का आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मां भगवती की आराधना करते हुए प्रदेश की निरंतर प्रगति तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि शक्ति की आराधना का यह पावन अवसर हमें अपनी आस्था, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं से





जोड़ता है। मां दुर्गा शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने तथा सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अपनी समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और धार्मिक आस्था से भी है। हमारे पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने वाले अवसर भी हैं। ऐसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को हमारी सांस्कृतिक विरासत तथा जीवन मूल्यों से परिचित कराते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि और दुर्गा पूजा के अवसर पर पूरे प्रदेश में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण है। शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें मातृशक्ति के सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का भी स्मरण कराता है। हमारी संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मां भगवती से प्रार्थना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक परिवार में सुख-शांति बनी रहे, किसानों के खेतों में समृद्धि आए, युवाओं के सपनों को नई उड़ान मिले और माताओं-बहनों के जीवन में खुशहाली आए। मां भगवती की कृपा से हमारा छत्तीसगढ़ विकास, समृद्धि और खुशहाली के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कालीबाड़ी मंदिर एवं दुर्गा पूजा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट की और सभी को नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने भी मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, बंगाली कालीबाड़ी समिति रायपुर के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com